E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खेलः राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स...

5 सिनेमा : एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने फिर...

वर्ष -09 अंक -39 | प्रयागराज, शुक्रवार 14 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

एनकाउंटर में ढेर हुआ अतीक अहमद का बेटा असद, शूटर गुलाम भी मारा गया, 5-5 लाख का दोनों पर था इनाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद का एनकाउंटर हो गया है। यूपी एसटीएफ की टीम ने असद का एनकाउंटर किया है। असद के साथ उसका सहयोगी गुलाम भी मारा गया है। दोनों पर पांच-पांच का इनाम था। पुलिस ने बताया कि दोनों को जिंदा पकड़ने की कोशिश हुई। अतीक का बेटा असद लगातार फरार चल रहा था। उमेश पाल हत्याकांड मामले में उसका नाम आया था। जिसके बाद उसके ऊपर 5 लाख का इनाम भी रखा गया था। यूपी एऊइ ने अपने बयान में बताया कि अतीक अहमद का बेटा असद और मकसूदन का बेटा गुलाम झांसी में डीएसपी नवेंदु और डीएसपी विमल के नेतृत्व में यूपीएसटीएफ की टीम के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

बीजेपी के साथ जाएंगे अजित पवार? संजय राउत बोले हमारा कनेक्शन फेविकोल जैसा

मुम्बई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के कद्दावर नेता संजय राउत ने अटकलों को खारिज कर दिया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजीत पवार सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री भाजपा के गुलाम नहीं बनेंगे'। राउत ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह इस तरह की चीजें करेंगे और उनके साथ जाएंगे। राउत ने कहा कि अजीत पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। (उनका) राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल है ष्ठ चिंता की कोई बात नहीं है। राज्यसभा सांसद ने जोर देकर कहा, 'एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार अभिभावक हैं और हम उनके साथ हैं। कल उद्धव ठाकरे और मैंने पवार के साथ चर्चा की थी। हमारा कनेक्शन फेविकोल की तरह है... कोई इसे अलग नहीं कर सकता है। पवार एनसीपी बॉस शरद पवार के भतीजे हैं और महा विकास अघडी के सबसे हाई-प्रोफाइल सदस्यों में से एक हैं। शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन जो एकनाथ शिंदे ने ठाकरे की पार्टी (बीजेपी की मदद से) को विभाजित करने से पहले सत्ता में थी। नाना पटोले कई बार ऐसी बातें कहते हैं जो महा विकास अघाड़ी में मतभेद पैदा करती हैं।

असद के एनकाउंटर पर सीएम योगी ने यूपी एसटीएफ को दी बधाई, केशव मौर्य बोले-जो अपराध करेगा वो बचेगा नहीं

नई दिल्ली। माफिया अतीक अहमद के बेटे और उमेश पाल हत्याकांड मामले में फरार असद को आज उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने एक एनकाउंटर में ढेर कर दिया। यह एनकाउंटर झांसी में हुआ है। इसके बाद उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी बैठक की है। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी देते हुए कहा कि पूर्व सांसद अतीक अहमद के बेटे असद और उसके सहयोगी के एनकाउंटर के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था को लेकर बैठक की। इसके साथ ही बताया गया कि योगी ने यूपी एऊइ के साथ ही अउइ, स्पेशल अउ लॉ एंड ऑर्डर और पूरी टीम की तारीफ की। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद

ने मुठभेड़ की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। इस पूरे मामले पर सीएम के सामने रिपोर्ट रखी गई है।

असद अहमद के एंकाउटर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं एऊइ टीम को बधाई देता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जो अपराध करेगा वो बचेगा नहीं, उसे फांसी होगी और अगर पुलिस से भिड़ेगा तो पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी होगी। यह बहुत ऐतिहासिक कार्रवाई है और बहुत बड़ा संदेश है कि अपराधियों का युग समाप्त हो गया है। एडीजी यूपी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य शूटर असद और गुलाम को आज एक मुठभेड़ में ढूंढ निकाला गया और मार गिराया गया। हमारे पास जानकारी थी कि उनके पास परिष्कृत विदेशी हथियार हैं।

विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून व?यवस?था) प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रयागराज में उमेश पाल हत?याकांड में वांछित, पांच पांच लाख रूपये के इनामी असद और गुलाम की एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई। उन?होंने बताया कि उप्र एसटीएफ की टीम में पुलिस उपाधीक्षक नवेंदु और विमल शामिल थे। उन?होंने बताया कि मुठभेड़ में मारे गये आरोपियों के पास से अत?याधुनिक विदेशी हथियार बरामद किये गये हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2005 में बहुजन समाज पार्टी विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में प्रमुख गवाह रहे उमेश पाल और उसके दो सुरक्षा गार्ड की इस साल 24 फरवरी को प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में उसके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

मुंबई में बेमौसम बारिश इस साल अप्रैल में हुई सर्वाधिक बारिश

मुंबई। मुंबई के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार को तड़के आंधी के साथ बेमौसम बारिश होने से शहर में उमस भरी गर्मी से राहत मिली। नगर निकाय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटे में मुंबई में 14.8 मिलीमीटर बारिश हुई। इस साल अप्रैल में सर्वाधिक बारिश हुई है। आईएमडी की वैज्ञानिक सुषमा नायर ने बताया कि यह बारिश एक ''स्थानीय घटना'' है और शहर के केवल पश्चिमी उपनगरों में बारिश हुई। नायर ने कहा, ''सांताक्रूज मौसम केंद्र में 14.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह शहर में अप्रैल में दर्ज की गई सर्वाधिक बारिश है। इससे पहले शहर में अप्रैल में सर्वाधिक, 7.2 मिलीमीटर बारिश 22 अप्रैल, 1974 को हुई थी।'' उन्होंने बताया कि कोलाबा मौसम केंद्र में कोई बारिश दर्ज नहीं की गई। अधिकारियों ने बताया कि शहर में देर रात एक बजे से दो बजे के बीच बिजली चमकी और गरज के साथ भारी बारिश हुई। एक अधिकारी के अनुसार, मालवानी दमकल केंद्र और गोरेगांव में 21-21 मिलीमीटर, बोरीवली दमकल केंद्र में 19 मिलीमीटर, एचबीटी ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल (जोगेश्वरी) में 17 मिलीमीटर, मरोल दमकल केंद्र में 14 मिलीमीटर और कांदिवली दमकल केंद्र में 12 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कुछ निचले इलाकों में थोड़ी देर भारी बारिश होने के कारण पानी भर गया। नगर निकाय ने बतया कि शहर और उपनगरों में कहीं भी बड़ी मात्रा में जलभराव की शिकायत नहीं मिली है। कुछ नागरिकों ने बताया कि गरज के साथ आंधी आने और तेज हवाएं चलने से मुंबई के मरोल जैसे कुछ इलाकों में पेड़ गिर गए और कुछ घरों की टिन की छतें उड़ गईं। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के मुताबिक, बारिश के कारण किसी के घायल होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। लोकल ट्रेन और बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं यातायात (बेस्ट) की बसों समेत सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाएं शहर और उपनगरों में सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं।

भारत आज अपनी सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है

जयशंकर बोले-मुंहतोड़ जवाब देना जानते हैं हम

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि जो ताकतें दशकों से भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद में लिप्त हैं, वे अब जानती हैं कि यह एक 'अलग भारत' है, जो उन्हें जवाब देगा। 12 अप्रैल को भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जयशंकर ने देश के एक नए भारत में परिवर्तन के बारे में बात की। अपनी सीमाओं पर भारत के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि आज, लोग एक अलग भारत देखते हैं जो खड़े होने को तैयार है और भारत जो अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करेगा चाहे वह उरी हो या चाहे वह बालाकोट हो। वह 2016 में पाकिस्तान से जैश-ए-मोहम्मद के उग्रवादियों द्वारा भारतीय सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर किए गए उरी हमले और पाकिस्तान के बालाकोट में भारतीय युद्धक विमानों द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर किए गए 2019 के बालाकोट हवाई हमले का जिक्र कर रहे थे।

आज जो ताकतें दशकों तक भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद में लिप्त रहीं और जिसे भारत ने सहन किया, उन्हें अब पता चल गया है कि यह अलग भारत है और यही भारत उन्हें

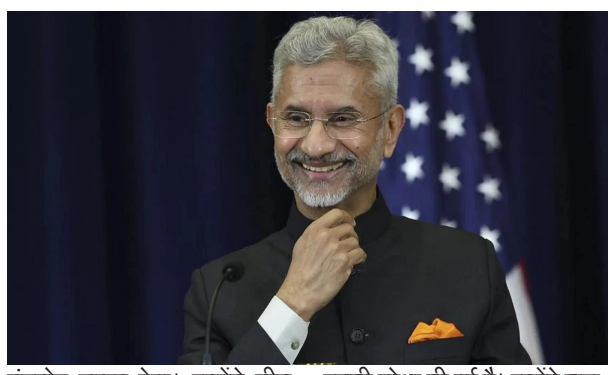

मुंहतोड़ जवाब देगा। उन्होंने चीन से लगी सीमा पर चुनौतियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से समझौतों का उल्लंघन कर चीन बड़ी संख्या में बल लेकर आया है। उन्होंने कहा कि आज भारतीय सेना काफी ऊंचाई पर और बेहद कठिन परिस्थितियों में तैनात है। यह स्थिति अतीत से अलग है क्योंकि भारतीय सैनिकों के पास अब 'पूर्ण समर्थन है, उनके पास सही उपकरण और बुनियादी ढांचा है। उन्होंने स्वीकार किया कि चीन से लगी सीमा पर बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए और काम करना होगा क्योंकि अतीत में इसकी उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा, 'यह एक अलग भारत है जो अपने हितों के लिए खड़ा होगा और दुनिया इसे पहचानेगी। आज उन्होंने कहा कि भारत की नीतियां किसी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं होती हैं। यह एक अधिक स्वतंत्र भारत है। आज, भारत उन देशों के दबाव में नहीं आ सकता है जो हमें बताएंगे कि हमें अपना तेल कहां से खरीदना चाहिए और कहां से हमें अपना तेल नहीं खरीदना चाहिए।

हमीरपुर में एक मकान में आग लगने से शिक्षक की मौत

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश में हमीरपुर जिले के नादौन अनुमंडल में एक मकान में आग लगने से सरकारी स्कूल के 57 वर्षीय शिक्षक की झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नादौन थाने के प्रभारी योग राज चंदेल ने बताया कि बृहस्पतिवार को तड़के करीब साढ़े तीन बजे सनाही ग्राम पंचायत के छैलाली गांव में अशोक कुमार के घर में आग लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस को संदेह है कि आग बिजली का शार्ट सर्किट होने से लगी। उन्होंने बताया कि कुमार एक कमरे में सो रहे थे और बगल के कमरे में सो रही उसकी पत्नी सुनीता ने आग देखकर शोर मचाया। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई थी लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही कुमार की मौत हो गई।

बीजेपी के साथ नहीं गए तो जेल, आदित्य ठाकरे का बड़ा दावा बगावत से पहले एकनाथ शिंदे मातोश्री आकर रोने लगे थे

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि पिछले साल अपना विद्रोह शुरू करने से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई में ठाकरे के आवास मातोश्री में पार्टी नेता उद्धव ठाकरे से मिलने आए थे। गुरुवार को शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोपों से इनकार किया। आदित्य ने कहा कि शिंदे में शामिल हुए शिवसेना के 40 विधायकों ने केवल अपनी सीट बचाने और पैसे के लिए ऐसा किया। एकनाथ शिंदे के विद्रोह पर टिप्पणी करते हुए आदित्य ने कहा, 'वहां जाने का कोई और कारण नहीं था।

आदित्य ने दावा किया वर्तमान मुख्यमंत्री मातोश्री आए और यह कहते हुए रो पड़े कि केंद्रीय जांच एजेंसी उन्हें गिरफ्तार करेगी। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के साथ जाएंगे या उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आदित्य कौटिल्य स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी की विजिटिंग फैकल्टी स्मिता शर्मा द्वारा संचालित चेंज मेकर्स सेशन

के हिस्से के रूप में उर्ध्वेश (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के हैदराबाद कैंपस में बोल रहे थे।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने यह भी कहा कि शिंदे केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई के दबाव में थे और आधे से अधिक विधायक ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के रडार पर थे और इसलिए वे विद्रोह में शामिल हो गए। राउत ने कहा कि इसी तरह की कोशिश अब राकांपा के विधायकों के साथ की जा रही है ताकि उन्हें तोड़ा जा सके। आदित्य ने जो कहा वह सही है। वह (शिंदे) ईडी के रडार पर थे और कार्रवाई और गिरफ्तार होने से डरते थे। उन्होंने मेरे आवास पर आकर मुझसे भी यही बात कही थी। हमने उसे समझाने की कोशिश की और उससे कहा कि डरो मत और स्थिति का सामना करो। हमें लड़ना चाहिए। हम बालासाहेब के सैनिक हैं। लेकिन वह झुक गए।

उमेश पाल हत्याकांड मामले

अतीक अहमद को कोर्ट से झटका, 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया, वकीलों ने किया हंगामा

प्रयागराजः उमेशपाल मर्डर केस में माफिया अतीकअहमद को अदालत से बड़ा झटका लगा है।

सीजेएम कोर्ट ने अतीक अहमद को 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। उधर पेशी के दौरान अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान कुछ वकीलों ने जमकर नारेबाजी करने के साथ ही अपशब्दों का प्रयोग करना शुरू कर दिया। इसी बीच कवरेज कर रहे एक मीडियाकर्मी की पिटाई करने के साथ ही कैमरे भी तोड़े।

पुलिस ने इस दौरान पिट रहे व्यक्ति को बाहर निकाला। अतीक अहमद से पुलिस रिमांड के दौरान उमेश पाल मर्डर केस से जुड़े तमाम सवाल पूछे जाएंगे। बताया जा रहा है कि पुलिस ने 150 सवालों की लिस्ट भी तैयार कर ली है।

उधर पेशी से पहले ही अतीक अहमद की तबीयत बिगड़ गई थी। दरअसल उसका ब्लड प्रेशर बढ़ गया था। गर्मी के कारण रात में भी वह दो घंटे ही सो पाया था। दो डाक्टरों ने उसका चेकप किया।

जिसके बाद उसको कचहरी भेजा गया। पेशी पर आने से पहले अतीक अहमद ने अपील की थी कि वह एक बार अपने बेटे अली से मिलना चाहता है। अली भी प्रयागराज की क्नैनी जेल में ही बंद है। लेकिन उसकी यह इच्छा मंजूर नहीं हुई। उमेश पाल हत्याकांड मामले में माफिया अतीक अहमद की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले को लेकर अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट में अतीक और अशरफ की पुलिस रिमांड मिल गई है। प्रयागराज की सीजेएम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को अतीक और अशरफ की 7 दिनों की रिमांड सौंप दी है। हालांकि, कोर्ट में जबरदस्त सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए थे। कोर्ट से निकलते वक्त अतीक पर जूता चलाने की भी कोशिश हुई। अतीक और अशरफ को पुलिस रिमांड के बाद उसे उमेश पाल हत्याकांड मामले के तथ्य जानने की कोशिश होगी।

अतीक अहमद और अशरफ पर जेल से उमेश पाल हत्या की साजिश रचने का आरोप है। अतीक और अशरफ को एक ही कटघरे में खड़ा किया गया। इसी दौरान अतीक अहमद को उसके बेटे असद के एनकाउंटर की खबर मिली। अतीक अहमद यह खबर सुनते ही रोने लगा।

सिडको भर्ती में अनियमितता का मामला जांच के आदेश दिए गए

ठाणे। महाराष्ट्र के शहर और औद्योगिक विकास निगम (सिडको) में भर्ती में कथित अनियमितता का मामला सामने आने के बाद पिछले 10 सालों में हुई भर्तियों का अंकेक्षण (ऑडिट) करने का आदेश दिया गया है। सिडको के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। सिडको के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ संजय मुखर्जी ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि 15 दिन पहले, उन्हें नगर नियोजन एजेंसी में गैर-मौजूद कर्मचारियों के भुगतान की शिकायतें मिलीं। मुखर्जी ने तुरंत अपने मुख्य सतर्कता अधिकारी के माध्यम से इसकी जांच का आदेश दिया। उनके मुताबिक, जांच में खुलासा हुआ कि घोटाला 2017 से हो रहा था। मुखर्जी ने बताया सिडको में नामांकित 28 फर्जी लोगों की पहचान की गई है। उन्होंने बताया कि एजेंसी के मानव संसाधन (एचआर) विभाग का एक अधिकारी भी इस रैकेट का हिस्सा था क्योंकि भर्तियां उसके हस्ताक्षर से की गई थीं। मुखर्जी ने कहा, यह फर्जी हस्ताक्षर हो सकता है, लेकिन दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर हैं।

एडीजी प्रशांत कुमार ने बताई एनकाउंटर की पूरी कहानी

बोले-माफियाओं के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति

लखनऊ (एजेंसी)। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद को आज उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम ने एक एनकाउंटर में ढेर कर दिया। यह एनकाउंटर झांसी में हुआ। असद उमेश पाल हत्याकांड का मुख्य आरोपी माना जा रहा था जो कि पिछले कई दिनों से फरार चल रहा था। इन सबके बीच उत्तर प्रदेश के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने असद एनकाउंटर की पूरी कहानी बताई है। प्रशांत कुमार ने कहा कि दोपहर 12:30 से लेकर 1:00 के बीच एनकाउंटर हुआ है। असद के अलावा उसका शूटर गुलाम भी मारा गया है। दोनों के पास विदेशी हथियार थे। दोनों के काफिले पर हमले के पहले से इनपुट थे। दोनों को गोलियां चलाते सभी ने देखा।

उत्तर प्रदेश के एडीजी ने बताया कि हमारे पास जानकारी थी कि आरोपी अतीक और अशरफ को भागने में मदद करने के लिए मामले (उमेश पाल हत्याकांड) में उन्हें वापस यूपी ला रहे पुलिस के

काफिले पर हमला हो सकता है। इस सूचना के मद्देनजर सिविल पुलिस और विशेष बलों की टीमों को तैनात किया गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि माफिया के खिलाफ सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। इस नीति का परिणाम आज सबके सामने है। उन्होंने कहा कि आज 12:30 से 1 बजे के बीच में एक सूचना के आधार पर कुछ लोगों को रोका गया तो दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस मुठभेड़ में 24 फरवरी को उमेश पाल की हत्या करने वाले दो लोग घायल हुए और बाद में इनकी मृत्यु हो गई। इनकी पहचान असद अहमद और गुलाम के रूप में हुई। अभियुक्तों के पास से अत्याधुनिक विदेशी हथियार, बुलडॉग आदि बरामद हुए हैं।

उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने बृहस्पतिवार को झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और उसके एक साथी गुलाम को मुठभेड़ में मार गिराया। विशेष अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने कहा, 'प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड में वांछित असद और गुलाम पांच-पांच लाख रुपये के इनामी बदमाश थे। दोनों की झांसी में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई।' कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में शामिल उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक नवेंदु और विमल ने किया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए आरोपियों के पास से अत्याधुनिक विदेशी हथियार बरामद किए गए हैं।

कंप्यूटरीकृत प्रोजेक्टर युक्त स्मार्ट क्लास के शुभारंभ के साथ परीक्षाफल हुआ घोषित

दिनेश यादव

मैहर।भारतीय संस्कृति के अनुरूप नगर के प्रतिष्ठित सरस्वती शिशु मंदिर, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर मे स्थित मंदिर में भगवान भोलेनाथ का सर्वप्रथम पूजन अर्चन अतिथियों के द्वारा किया गया। तत्पश्चात स्मार्ट क्लास का लोकार्पण दीपक पांडे (दीपू महाराज) जी एवं उनकी बहन श्रीमती रत्ना दिनेश मिश्रा के कर कमलों द्वारा हुआ । जिसको श्री मां शारदा शक्तिपीठ के प्रधान पुजारी पवन पांडे जी महाराज ने अपनी मां स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा पांडे जी की स्मृति में कंप्यूटरीकृत प्रोजेक्टर विद्यालय को भैया बहनों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए दान स्वरूप समर्पित किया। इस पावन बेला पर विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय सह-संगठन मंत्री डॉ आनंद राव की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अगली कड़ी में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर गृह-परीक्षा का वार्षिक परीक्षाफल घोषित करने के कार्य का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के बहनों द्वारा वाणी वंदना प्रस्तुत की गई।

विद्यालय के व्यवस्थापक सुरेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ आनंद राव का तिलक बंदन से स्वागत किया ।प्राचार्य विजय प्रताप सिंह द्वारा अतिथियों का परिचय एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद प्रकाश तिवारी ने तिलक रोली अक्षत लगाकर संस्था के अध्यक्ष बक्शनाम गंगवानी का ,उसके साथ दीदी शुभांजलि गर्ग ने विशिष्ट अतिथि रत्ना मिश्रा का तिलक लगाकर स्वागत किया। कोषाध्यक्ष अंबुज द्विवेदी ने दीपक पांडे जी (दीपू महाराज) जी का तिलक अक्षत लगाकर स्वागत किया। अगली कड़ी में कक्षा अरुण से एकादश तक अपनी कक्षा में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले एवं एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी भैया बहनों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य रामपाल पांडे जी को मुख्य अतिथि द्वारा साल श्रीफल ?2 लाख 813 की नगद राशि एवं उपहार प्रदान कर सेवानिवृत्त होने पर उन्हें सम्मानित किया गया।

इस अवसर माननीय मुख्य अतिथि जी अपने संदेश में कहा कि शिक्षा और संस्कृति किसी भी राष्ट्र की धरोहर होती है ।विद्या भारती के अंदर आचार्य दीदीजी भारतीय शिक्षा और संस्कृति फैलाने का कार्य करते हैं ।उन्होंने शिक्षा के साथ संगीत शिक्षा को भी सीखने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति हमारे शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए जरूरी है। आज सरस्वती शिशु मंदिर के पढ़कर निकले हुए भैया बहन उच्च पदों पर है जैसे आईएएस ,आईपीएस, प्रोफेसर शिक्षाविद ,वैज्ञानिक जज आदि है। अपने देश के साथ-साथ विश्व के 70 अन्य देशों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अब तक इस संस्था से लगभग एक करोड़ भैया बहन पढ़कर देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने बेटियों को सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ाने के लिए प्रेरित किया क्योंकि वहां से पढ़कर निकली हुई बहने एक अच्छी मां ,आदर्श नारी एवं एक अच्छी बहन का आदर्श प्रस्तुत करती है। पूर्व अध्यक्ष रविनंदन मिश्रा द्वारा कक्षा दशम एवं द्वादश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहनों के छात्रवृत्ति हेतु ?1 लाख एवं समाजसेवी बी एल अग्रवाल द्वारा 51 हजार की राशि विद्यालय को प्रदान की गई। जिसके ब्याज से यह छात्रवृत्ति प्रतिवर्ष उन्हें प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम मेंआभार प्रदर्शन प्रधानाचार्य आनंद प्रकाश तिवारी ने किया।

इस गरिमामय कार्यक्रम में ईश्वर दास पटेल सेवानिवृत्त शासकीय शिक्षक रवि मिश्रा विभाग समन्वयक(रीवा विभाग) ,उपाध्यक्ष रावेंद्र सिंह, सदस्य अखिलेश अग्रवाल ,अश्विनी पांडे, पूर्व छात्र विकास त्रिपाठी, दिनेश मिश्रा, प्रीति पांडे ,निधि पांडे ,नीलम पांडे अश्वनी पांडे के साथ समस्त दीदियां एवं आचार्य उपस्थित रहे।

ब्लास्टिंग के पत्थर गिरने व धोखे में अनूठा लगवा लेने से रहवासी लोग परेशान

आधुनिक समाचार
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र- स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुंडी अंतर्गत बौली टोला , डाला बाड़ी लंगड़ा मोड़ के रहवासियों ने फर्जी आवास अस्पताल व पेयजल के आड़ में गलत तरीके से अगूठा निशान व हस्ताक्षर करवाने से क्षुब्ध होकर क्षेत्रीय लेखपाल सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को सुबह से लेकर दोपहर बारह बजे तक फर्जी तरीके से लेखपाल व स्थानीय सन्तोष शर्मा दावरा डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुंडी वार्ड नंबर तीन बौली टोला डाला बाड़ी लंगड़ा मोड़ चर्चाओ में मामला प्रकाश में आया जब रहवासियों ने तहरीर लेकर चिल्लाती धुप में पैदल चोपन थाना जानें को लेकर जाने जाने की तैयारी कर रहे थी कि वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंचे चोपन थानाध्यक्ष लक्ष्मण पर्वत ने सभी रहवासियों को समझा बुझाकर मामला शांत करवाया। विरोध प्रदर्शन के दौरान मिना देवी, सुशीला देवी, रेशमा, शकीना , शूखवारी, चमेली देवी, रामकली लखपतिया देवी, प्रेमा देवी, कौशल्या देवी, बिमला देवी, संगीता पार्वती, मंजू मालती, उर्मिला देवी बुल्लू उर्फ दरोग़ा इंदल अख्तर हुसैन, लल्लू छोटे राजेश ओमप्रकाश ने बताया कि अस्पताल व आवास पेयजल के आड़ में

क्षेत्रीय लेखपाल ओमप्रकाश सिंह,खनन व्यवसाई संतोष शर्मा, मेसर्स श्री राम इन्टर प्राइजेज के पार्टनंट अजय कुमार सिंह द्वारा हम सभी रहवासियों को गुमराह कर अस्पताल आवास एव पेयजल को लेकर किसी कागज पर अगुठा का निशान एवं हस्ताक्षर करवाया जा रहा था और जिसका जानकारी हम लोगों को बाद में चला की वह पेपर (कागज) सभी लोगों को यहां से अतिक्रमण के नाम पर हटाने के लिए अगूठा का निशान एवं हस्ताक्षर करवाया गया है

जिसको लेकर लोगों ने माननीय संजीव सिंह गोंड (राज्यमंत्री) के आवास पर पहुंचकर इस सभी समस्याओं से अवगत कराया, मंत्री जी ने जिला अधिकारी को फोन कर कार्रवाई किए जाने की बात कही आश्वासन पर लोग घर लौट गए।

उपरांत खनन कर्ताओं के मनमानी के कारण आज फिर बड़े घटना घटने से बाल बाल बचे वहीं लोगों ने बताया कि हम सभी लोग लंगड़ा मोड़ पर घर के बाहर ही थे कि खनन कर्ताओं ने आकर केवल झंडा लगवाया और ब्लास्टिंग कर दिया जिसके कारण लंगड़ा मोड़ सड़क सहित बस्ती में पत्थरों की बारिश हो गई और एक बुजुर्ग महिला को चोट लगते लगते पत्थर पास में गिरा गया इसके साथ ही हैबी ब्लास्टिंग के कारण एक मवेशी का मड़ई भी छतीग्रत हो गया वहीं आक्रोशित रहवासियों ने लंगड़ा मोड़ सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे डाला चौकी इंचार्ज राजेश प्रताप सिंह ने समझा बुझाकर कर जाम खुलवाया गया।

सांसद निधि से बना यात्री सेड निजी कंपनी अल्ट्राटेक व नगर पंचायत के आंखमिचोली बीच सफाई को तरसा

आधुनिक समाचार
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला/सोनभद्र- नगर पंचायत डाला बाजार स्थित शाहिद स्थल पर सत्र 2018-19 में सांसद निधि

से बना यात्री सेड अपने बनने पर अफसोस कर रहा । वही यात्री सेड नगर पंचायत व निजी कंपनी अल्ट्राटेक के बीच सफाई का गुहार कर रहा। लेकिन इस आँख मिचौली में राहगीर त्रस्त दिखे । डाला स्थित शाहिद स्थल पर सांसद निधि से बना यात्री सेड हर जिम्मेदारों का तमाशा करने का अड्डा बनता गया। यात्री सेड में देखा जाय तो गन्दगी को लेकर कई बार स्थानीयों व निजी कंपनी के जिम्मेदारों को शिकायत किया गया। वही शाहिद स्थल से झारखंड, मध्यप्रदेश , छतिषगढ़ जाने वाले यात्री सुविधाओं से परेशान दिखते रहे। यात्री सेड की गंदगी समाप्त होने का नाम नही ले रहा। कुछ दिन पूर्व बच्चों को लेकर सफर कर रहे ओबरा के यात्री को इस समस्याओं का सामना करना पड़ा।जहां बच्चों को नित्यक्रिया के लिए बोतल में पानी भर जंगल का सहारा लेना पड़ा। जब से नगर पंचायत की अधिशाषी अधिकारी देवभूति पाण्डे आयी है विकास अपने को रोना रो रहा है। मनमानी ढंग का कार्य, मानक के बिपरीत कार्य का बढ़ावा दिया जा रहा। स्थानीयों ने बताया कि इस सरकार में कोई सुनने वाला नही है।

यात्री सेड पर पहले से यात्री सेड का नाम लिखा ही था कि समाज सेवी कहे जाने वाली निजी कंपनी अक्ट्राटेक के जिम्मेदार द्वारा यात्री सेड का अपना बोर्ड लगा दिया गया। सफाई के नाम पर बताया जाता रहा कि नगर पंचायत द्वारा किया जाएगा। अब देखने की बात है कि सांसद निधि से बने यात्री सेड पर निजी कंपनी का प्रचार बोर्ड कैसे लगा। जब बाजार में रविवार को नगर पंचायत द्वारा सफाई को लेकर आ अभियान भी चलाया गया।

चोपन पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार,भेजा जेल

आधुनिक समाचार
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन पर जनपद में चलाएं जा रहें अभियान के तहत डाला पुलिस

चौकी क्षेत्र से एक वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल बृहस्पतिवार को डाला पुलिस चौकी क्षेत्र से अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु थाना चोपन पुलिस ने मु0 नं0 2621/15 अं0धारा 279, 337, 338 भादवि थाना चोपन, मा0 न्या0 स्पेशल कोर्ट जनपद सोनभद्र राज्य बनाम महेश कुमार अग्रहरी सम्बन्धित वारण्टी महेश कुमार अग्रहरी पुत्र मेवालाल अग्रहरी निवासी चूड़ी गली डाला थाना चोपन चूड़ी गली डाला से 13 अप्रैल 2023 को समय 08.50 बजे गिरफ्तार कर मा0 न्या के समक्ष भेज दिया गया

इस दौरान टीम में चोपन थानाध्यक्ष लक्ष्मण पर्वत, डाला चौकी इंचार्ज राजेश प्रताप सिंह, का0 आनन्द कुमार गौड़, का0 हरिश्चन्द्र , का0 मंजीत सरोज शामिल रहे।

डीएम के निर्देश पर बीएसए ने की विभिन्न विद्यालयों का औचक

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिश्चन्द्र नाथ ने आज विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर अध्यापकों की उपस्थिति जांची। निरीक्षण में एक प्रधानाध्यापक, 6 अध्यापक तथा तीन शिक्षा मित्र अनुपस्थित मिले , जिनके एक दिन का वेतन काटने के साथ स्पष्टीकरण तलब किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विकास खण्ड रामपुर कारखाना अन्तर्गत 03 परिषदीय विद्यालयों तथा विकास खण्ड बैतालपुर अन्तर्गत 02 परिषदीय विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान कतिपय विद्यालय बन्द पाये गये तथा कतिपय अध्यापक / अध्यापिका / अनुदेशक / शिक्षामित्र अनुपस्थित पाये गये है।

बीएसए द्वारा अपराह्न 02:03 बजे उदप्रा0वि0 परसा बरवा, वि0क्षेत्र रामपुर कारखाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय कुल 07 अध्यापक एवं 02 अनुदेशक में नीता पाण्डेय सी0सी0एल0 पर थी। शेष समस्त स्टाफ उपस्थित पाये गये। अपराह्न 02.10 बजे प्रा0वि0 परसिया मल्ल, वि0क्षेदरामपुर कारखाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय निर्भय कुमार राय, प्र0अ0 उपस्थित पाये गये। हीरालाल कुशवाहा, प्र0अ0, राबिया खातून, स0अ0, रौनक जहां स0अ0, अर्चना मणि, स0अ0, अरूण कुमार मिश्र, स0अ0, रंजना सिंह, शि0मि0 एवं हरिशंकर मल्ल, शि0मि0 अनुपस्थित पाये गये। अपराह्न 02:20 बजे प्रा0वि0 बनकट बहादुरपुर. वि0क्षे0 रामपुर कारखाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय प्रधानाध्यापिका सुमन चौरसिया, सहायक अध्यापिका सलोनी कुशवाहा एवं शिक्षामित्र रंजना राव अनुपस्थित पाये गये।

ऐतिहासिक बाराही मेला-2023

मेले में गांव की खुशबू, संस्कृति और सभ्यता का विशाल रूप छिपा हुआ है -अमन भाटी

देव मणि शुक्ल

नोएडा सूरजपुर में चल रहे प्राचीन ऐतिहासिक बाराही मेला.2023 के आठवें दिन, बुद्धवार को कॉमेडी की दुनिया के सितारे अमन भाटी उर्फ खालिद और चाचा श्यामलाल की जोडी की एंट्री हुई और जिनकी एक झलक पाने के लिए लोगों की भीड बेकाबू दिखाई दी। सरल भाषा मे अमन भाटी उर्फ खालिद ने ऐतिहसिक प्राचीन बाराही मेला-2023 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मेला का शब्द छोटा नही है, इसमें भारतीय संस्कृति और सभ्यता का विशाल रूप छिपा हुआ है। दंगल और मेले पुरानी संस्कृति का परिचय कराते हैं। इस तरह की परंपराओं को समाज में लगातार बढावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेले की बेला यहां सबसे बडी है, अब जब भी यहां आएंगे, पूरा मजा रौंद के जाएंगे। सभी को प्यार और बडो का पैर छुई छुआ। शिव मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महासचिव ओमवीर बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा और बिजेंद्र ठेकेदार, जगदीश भाटी, विनोद सिकंद्राबादी, राजकुमार नागर, विनोद पंडित तेल वाले, राजपाल भडाना,रूपेश चौधरी, हरीश नागर आदि पदाधिकारियों ने अमन भाटी उर्फ खालिद और चाचा श्यामलाल व उनकी पूरी टीम का माल्यापर्ण और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। सांस्कृतिक कायक्रमों की श्रंखला में राजबाल एंड पार्टी राजस्थान के कलाकारों ने कालबेलियां डांस की प्रस्तुति देते हुए लोगों का मनमोह लिया। जब कि रात्रिकालीन कार्यक्रमों में कर्मवीर बैंसला, बलराम बैंसला, रविंद्र बैंसला, मीनू चौधरी और कल्पना शर्मा ने एक से बढ कर रागनियां प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। पायल चौधरी और डिंपल

चौधरी ने नृत्य प्रस्तुत करते हुए खूब धमाल मचाया। कर्मवीर बैंसला ने वीर हकीकत राय के किस्से से- कहीं मान लुटे, मेरे लाल का डाका पड गया..... और बलराम बैंसला ने देशभक्ति रागनी- कितने वीर चले गए मेरी भारत मां पर मरके, आजादी की लिखी कहानी, कलम लहू में भरके. प्रस्तुत कर श्रोताओं को वीर रस से सराबोर कर दिया। मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में इस मौके पर जिला होम गार्ड कमांडेट गौतमबुद्धनगर वेदपाल चपराना और विशिष्ठ अतिथि के तौर पर भाजपा के पूर्व ग्रेटर नोएडा मंडल अध्यक्ष सतीश गुलिया ने शिकरत की। इन अतिथियों ने ऐतिहासिक बाराही मेला-2023 के महत्व पर प्रकाश डाला। शिव मंदिर मेला समिति की ओर से ओमपाल भाटी, सतपाल ठेकेदार, भास्कर अवस्थी, नरेंद्र शर्मा, ओमवीर विधूडी, टेकचंद प्रधान, सतपाल शर्मा एडवोकेट,श्रीचंद भाटी, आचार्य सुमित शुक्ला, लीलू खारी, गौरव नागर, परमानंद शर्मा, रघुवीर जेसीबी वाले आदि मुख्य अतिथि वेदपाल चपराना और विशिष्ठ अतिथि सतीश गुलिया का माल्यापर्ण कर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कल दिनांक 14 अप्रैल.2023, शुक्रवार की सांय हरियाणा और राजस्थान के कलाकारों तथा विभिन्न स्कूलां द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रात्रिकालीन रागनियों के रंगारंग कार्यक्रमों में ज्ञानेंद्र सरदाना, पूजा शर्मा, देवेंद्र डॉगी, कशिश चौधरी, शगुन चौधरी, सचिन नागर, दिनेश पीलवान और अर्पित राठी आदि कलाकार खास प्रस्तुतियां देंगे। इस मौके पर कार्यक्रम मे चौधरी धर्मपाल भाटी प्रधान, ओमवीर बैंसला, लक्ष्मण सिंघल, मूलचंद शर्मा और ब्रहम सिंह नागर, राकेश बैंसला, भीम खारी, तोलाराम, राजवीर शर्मा, देवेंद्र देवधर, विनोद पंडित तेल वाले आदि मेला समिति के पदाधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बाराही मेले में बनी चौपाल पर ग्रामीण जनजीवन पर आधारित चीजों की दिखाई दे रही है झलक कृषि प्रधान भारत की आत्मा गांवों में ही बसती है। प्राचीनकाल से ही मनुष्य की आजीविका कृषि और पशुपालन पर निर्भर है। कंप्यूटरीकरण के इस दौर में अब ग्रामीण संस्कृति एक तरह से लुप्त होती जा रही है। घर में हर दिन काम आने वाली चीजें भी सांस्कृतिक धरोहर के रूप में देखी जानी शुरू हो गई हैं। हुक्का, दही मथने वाली रई, पीढा, ईढी, चारा काटने वाली मशीन और बैलगाडी अब इतिहास की धरोहर बन गई हैं। बाराही मेले में ग्रामीण संस्कृति की इन चीजों का विशेष ख्याल रखा गया है। यहां एक चौपाल बनी हुई है। इस बाराही बैठक पर इन सब चीजों के दर्शन आसानी से किए जा सकते हैं। बाराही चौपाल पर सबसे बडी खाट है जिसकी लंबाई करीब 12 गुणा 6 फीट है। सबसे बडा हुक्का जिसकी उंचाई करीब 5 फीट है। सबसे बडा पीढा है जिसकी लंबाई और चौडाई 2 गुणा 2 है। इसी प्रकार विश्व की सबसे बडी रई है, जिसकी उंचाई करीब 8 फीट और चौडाई 2 फीट है। इसके साथ ही चारा काटने की मशीन,चक्की, कुठला, राया और बैलगाडी भी हैं। शिव मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महासचिव ओमवीर बैंसला और मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कंप्यूटरीकरण के दौर में ये ग्रामीण जनजीवन पर आधारित चीजें अब लुप्त होनी शुरू हो गई हैं। नई पीढी के बच्चों से इन चीजों के बारे में पूछा जाए तो बता नही पाएंगे? शिव मेला समिति के कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल ने बताया कि ग्रामीण जनजीवन पर आधारित इन चीजों की झलक दिखाने के लिए चौपाल का निमार्ण कराया था। वर्ष 2001 में जब शिव मंदिर मेला समिति आसित्व में आई थी, उसी समय से यह चौपाल शुरू हुई थी। हर बाराही मेले में इन चीजों को प्रदर्शन के लिए रखा जाता है, ताकि लोगों को अपनी धरोहर और संस्कृति का भान होता रहे।

बेटे के एनकाउंटर की खबर सुनते ही रोने लगा अतीक

दोनों भाइयों की पुलिस रिमांड मंज़ूर, पुलिस लाइन भेजे गए

प्रयागराज। उमेशपाल मर्डर केस में आरोपी माफिया अतीकअहमद और उसके भाई अशरफ को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों भाइयों की पुलिस रिमांड मंजूर की। दोनों को पुलिस लाइन भेज दिया। वहीं उसके बेटे असद के एनकाउंटर की खबर आती है। कोर्ट परिसर में ही अतीक अहमद रोने लगता है। सिर पकड़कर जमीन पर बैठ जाता है। कुछ देर में उसने पीने के लिए पानी मांगा।

इस दौरान अतीक अहमद ने अपने वकील से अलग मुलाकात की इजाजत मांगी। एनकाउंटर के बारे में पता

चलते ही कोर्ट परिसर में 'अतीक अहमद मुर्दाबाद, उमेश पाल अमर रहें' के नारे लगने लगे। साथ ही, योगीओमोदी जिंदाबाद के भी नारे लग रहे है। वकील कोर्ट परिसर में गुस्से में नजर आ रहे हैं। अतीक-अशरफ को कोर्ट परिसर में आरआरएफ की सुरक्षा के बीच निकाला गया।

पुलिस सुरक्षा में बाहर लाते हुए कुछ वकीलों ने अतीक पर जूता भी फेंककर मारा। दोनों को प्रिजनवैन में बैठाकर पुलिस लाइन भेजा गया है।पेशी से पहले वकीलों ने कोर्ट परिसर में अतीक अहमद के खिलाफ नारेबाजी की थी। पुलिस ने सभी को शान्त कराया।

मधवापुर में हुआ समाज सेवी व पार्षद पद प्रत्याशी कृष्ण कुमार पाठक के चुनावी कार्यालय का शुभारंभ

प्रयागराज। जनपद में नगर निकाय चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। सभी पार्षद प्रत्याशी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में लगे हैं। वहीं चुनाव आयोग ने भी इसको लेकर अपनी कमर कस ली है।

इन्हीं तैयारियों के मद्देनजर आज जनपद के वार्ड नंबर 36 के पार्षद पद प्रत्याशी व वरिष्ठ समाज सेवी कृष्ण कुमार पाठक 'सोनू पाठक' ने नवीन कार्यालय का शुभारंभ किया। जहां विधिवत शास्त्र संगत विधि से पूजा पाठ कर कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस दौरान वार्ड के लोग भारी संख्या में उपस्थिति रहे। जहां सभी कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पर नीति बनाकर आगामी चुनावी प्रचार प्रसार करने की रणनीति बनाई।

वहीं कार्यकर्ता के तौर पर संदीप द्विवेदी, सचिन शर्मा, बालगोपाल गोविंद, महेश त्रिपाठी, आशीष पाण्डेय, सुमित मिश्रा, आकाश, रमेश मौर्य, सचिन गुप्ता, रामसिंह पटेल, अतुल दुबे व आदि लोग उपस्थित रहे।

विधानसभा छानबे का नामाकंन 13 अप्रैल से, सुरक्षा के किये गये व्यापक प्रबन्ध

कलेक्ट्रेट के गेट नम्बर एक से प्रत्याशी अपने दो प्रस्तावक के साथ नामाकंन के लिये करेंगे प्रवेश, रमई पट्टी तिराहा व टी0वी0 अस्पताल तिराहा के अन्दर वाहनो का प्रवेश रहेगा प्रतिबन्धित

मीरजापुर 12 अप्रैल 2023- विधानसभा उप निर्वाचन निर्वाचन 2023 में कल दिनांक 13 अप्रैल 2023 से नामांकन प्रक्रिया प्रारम्भ हो रही हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल एवं अपर पुलिस अधीक्षक श्रीकान्त प्रजापति ने जानकारी देते हुये बताया कि निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण ढंग से नामाकंन प्रक्रिया सम्पन्न कराने के दृष्टिगत व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के प्रबन्ध किये गये हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि रमई पट्टी तिराहा की तरफ से एवं टी0वी0 अस्पताल तिराहा के तरफ से कलेक्ट्रेट मार्ग पर किसी भी तरह के वाहनो का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा। नामांकन के लिये आने वाले प्रत्याशी उपरोक्त स्थलो से अपने वाहन को छोड़कर अपने प्रस्तावकों के साथ पैदल कलेक्ट्रेट के गेट नम्बर एक पर आएंगे एवं गेट नम्बर एक से प्रत्याशी अपने साथ एक बार में दो प्रस्तावक के साथ नामांकन के लिये प्रवेश करेगें। कलेक्ट्रेट व उसके आस पास आन्तरिक व्यवस्था हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ यादव

एवं उप पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार की जिम्मेदारी तथा वाह्य व्यवस्था हेतु नायब तहसीलदार एवं क्षेत्राधिकारी चुनार को जिम्मेदारी सौपी गयी हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के लिये पर्याप्त मात्रा में बैरीकेटिंग व प्रत्येक प्वाइंट पुलिस बल की तैनाती की गयी हैं। उन्होने सभी प्रत्याशियों से अपील करते हुये कहा कि अपने वाहनो को उपरोक्त निर्धारित स्थलों पर छोड़कर एक प्रत्याशी अपने साथ प्रस्तावकों के साथ गेट नम्बर एक पर आएंगे एवं कलेक्ट्रेट गेट नम्बर एक से प्रत्याशी एक बार में अपने दो प्रस्तावक के साथ प्रवेश कर नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें। नामाकंन के दौरान नामाकंन कक्ष के अन्दर का फोटो व वीडियो क्लिप जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय एवं प्रचार सहायक बालमुकुन्द चतुर्वेदी के द्वारा मीडिया बन्धुओ को उपलब्ध कराया जाता रहेगा। उन्होने बताया कि गेट नम्बर एक से विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय के सामने परिसर तक मीडिया का प्रवेश रहेगा, कलेक्ट्रेट छोटे गेट के अन्दर नामांकन स्थल पर प्रत्याशी व उनके प्रस्तावक के अलावा किसी अन्य का प्रवेश पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा।

शांतिपूर्ण ढंग से होगा चुनाव, अराजक तत्वों पर होगी कडी निगरानी

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मण्डलायुक्त प्रयागराज विजय विश्वास पन्त ने नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को सकुशल, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु विकास भवन के सभागार में प्रभारी अधिकारियों एवं समस्त उप जिलाधिकारियों के साथ आवश्यक बैठक की। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में 01 नगर पालिका परिषद एवं 18 नगर पंचायतों में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 की प्रक्रिया को सम्पन्न कराया जायेगा तथा दिनांक 11 अप्रैल से 17 अप्रैल तक निर्धारित नामांकन स्थलों पर नाम निर्देशन पत्रों का क्रय एवं जमा किया जा रहा है। दिनांक 18 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जायेगी, 20 अप्रैल को नाम वापसी, 21 अप्रैल को प्रतीक आवंटन किया जायेगा। दिनांक 04 मई को मतदान तथा 13 मई को मतगणना की जायेगी तथा नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन हेतु 42 सेक्टर एवं 21 जोनल मजिस्ट्रेट बनाये गये है एवं जिला सेवायोजन कार्यालय में कन्ट्रोल रूम बनाया गया है जिसका नम्बर 05342-220431, 7390015088 है। जिलाधिकारी ने बताया कि मतदान कार्मिकों का प्रथम प्रशिक्षण दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल

तथा द्वितीय प्रशिक्षण 28 एवं 29 अप्रैल 2023 को सन्त एन्थोनी इण्टर कालेज में कराया जायेगा। जनपद में 506 मतदान स्थल बनाये गये है। बैठक में प्रोजेक्टर के माध्यम से नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन की सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। बैठक में मण्डलायुक्त प्रयागराज ने सम्पूर्ण निर्वाचन व्यवस्था की बिन्दुवार समीक्षा करते हुये निर्देशित कि नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत कार्मिक व्यवस्था, प्रशिक्षण व्यवस्था, निर्वाचन प्रपत्र, मतपेटी, प्रेक्षक व्यवस्था, डाक मतपत्र,प्राथमिक चिकित्सा एवं औषधि किट, पेयजल, वैरीकेटिंग, प्रकाश, रैम्प, वाहन, पार्किंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये।मतदान एवं मतगणना स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा एवं वीडियोग्राफी भी करायी जाय। कन्ट्रोल रूम पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण यथाशीघ्र किया जाये। उन्होंने कहा कि संवेदनशील, अति संवेदनशील तथा अति संवेदनशील प्लस मतदान केन्द्रों पर विशेष निगरानी रखी जाये जिससे मतदान में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न होने। मण्डलायुक्त प्रयागराज ने नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को निष्पक्षता के साथ सकुशल व सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराये जाने हेतु प्रभारी अधिकारियों एवं समस्त उपजिलाधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ समयबद्ध ढंग से निष्पादित किये जाने का निर्देश दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों संग विधानसभा छानबे के उप चुनाव एवं नगर निकाय

सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का किया निरीक्षण कलेक्ट्रेट में स्थापित नामांकन कक्ष एवं सुरक्षा व्यवस्था का भी किया गया निरीक्षण

मीरजापुर।विधानसभा छानबे उप निर्वाचन 2023 एवं नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी दिव्या मित्तल ने मुख्य विकास अधिकारी श्री लक्ष्मी वी एस, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल सहित अन्य अधिकारियों के साथ राजकीय पालीटेक्निक में विधान उप निर्वाचन के मतगणना एवं स्ट्रांग रूम का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने पार्टियो के रवानगी स्थल, मतगणना कक्ष एवं स्ट्रांग रूम एवं वहां पर कार्मिको एवं मतगणना एजेंट को आने जाने की व्यवस्थाओं से सम्बन्धित रूट चार्ट तथा सुरक्षा व्यवस्था के लिये बैरी केटिंग कंट्रोल आदि भ्रमण कर निरीक्षण करते हुये अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

तत्पश्चात नगर निकाय सामान्य निर्वाचन के मतदान के उपरान्त राजकीय इंटर कालेज महुवरिया एवं केन्द्रीय विद्यालय में होने वाले मतगणना कक्ष स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया तत्पश्चात दोनो निर्वाचनों के लिये निर्वाचन कार्मिको के प्रशिक्षण स्थल का भी निरीक्षण करते हुये विस्तृत जानकारी प्राप्त की गयी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि जी0आई0सी0 परिसर महुवरिया में स्थापित केन्द्रीय विद्यालय में नगर पालिका परिषद मीरजापुर के लिये मतगणना स्थल एवं स्ट्रांग रूम बनाया गया है तथा राजकीय इंटर कालेज के सभागार में नगर पंचायत कछवा के लिये मतगणना स्थल बनाया गया हैं। जिसके लिये सभी व्यवस्थाए व सुरक्षा व्यवस्था हेतु बैरीकेटिंग, रूट चार्ट आदि बनाया जा रहा हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिशासी

अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुये कहा कि कल तक समस्त रूट चार्ट व नक्शा बनाकर उपलब्ध कराया जाय ताकि उसी अनुसार वेंडर अपना कार्य प्रारम्भ कर सकें। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्मिको के प्रशिक्षण के तैयारियों के सम्बन्ध में जिला निर्वाचन अधिकारी को विस्तृत जानकारी दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विधानसभा छानबे के लिये मुख्य राजस्व अधिकारी न्यायलय में बनाये गये नामांकन कक्ष व सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट में परिसर में स्थित उप जिलाधिकारी के न्यायालय में नगर पालिका मीरजापुर के अध्यक्ष पद के नामाकंन हेतु एवं अपर उप जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय/कार्यालय में नगर पंचायत कछवा के अध्यक्ष एवं सदस्य पद के नामाकंन के लिये बनाये जा रहे स्थल का पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल एवं अपर पुलिस अधीक्षक ने कलेक्ट्रेट में आने वाले प्रत्याशियों के लिये व्यवस्था, पार्किंग, बैरीकेटिंग, सुरक्षा व्यवस्था आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समय रहते सभी व्यवस्थाए पूर्ण कर ली जाय तथा नामाकंन कक्ष के आस पास यथा कलेक्ट्रेट परिसर में अनुमन्य व्यक्ति ही प्रवेश कर सकें इसके लिये भी व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभानु सिंह, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी नीरज प्रसाद, क्षेत्राधिकारी नगर परमानन्द कुशवाहा, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक

फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiti.com | Mail us at – info@nainiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

सम्पादकीय

देश के छह राज्यों में दो संप्रदायों के बीच पथराव

रामनवमी के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह की हिंसा देखने को मिली, वह कई लिहाज से चिंताजनक और निंदनीय है। दो दिनों के अंतराल में देश के छह राज्यों के अलग-अलग शहरों में दो संप्रदायों के लोगों के बीच पथराव, मारपीट, आगजनी जैसी घटनाएं हुईं। महाराष्ट्र के मालाड (मुंबई), जलगांव और संभाजीनगर (औरंगाबाद), पश्चिम बंगाल के हावड़ा और डालखोला, बिहार के सासाराम और नालंदा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, हरियाणा के सोनीपत, गुजरात के वड़ोदरा और कर्नाटक के हासन में हुईं इन घटनाओं को लेकर पुलिस, प्रशासन, स्थानीय संगठनों और राजनीतिक दलों के अलग-अलग स्पष्टीकरण भी आ रहे हैं। लेकिन कुल मिलाकर ये सब जिस एक तथ्य को रेखांकित कर रहे हैं वह यह है कि इन्हें महज स्थानीय घटनाओं के रूप में नहीं लिया जा सकता, न ही किसी संयोग का परिणाम माना जा सकता है। ध्यान रहे, पर्व-त्योहार के मौके पर देश के कुछ हिस्सों में तनाव बन जाना या छिटपुट हिंसा की भी खबरें आना कोई नई बात नहीं है। लेकिन ऐसी घटनाएं हमेशा अपवाद के रूप में रही हैं। आम तौर पर हमारे सभी पर्व-त्योहार शांतिपूर्वक और मिल-जुलकर ही मनाए जाते रहे हैं। गौर करने की बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस स्थिति में जबर्दस्त बदलाव देखने में आ रहा है। पिछले साल रामनवमी 10 अप्रैल को पड़ी थी। तब भी छह राज्यों- गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और गोवा- में हिंसा, पथराव की घटनाएं दर्ज की गई थीं। यही नहीं, इसके कुछ ही दिन बाद हनुमान जयंती के मौके पर दस राज्यों से हिंसा की खबरें कई दिनों तक आती रही थीं। जाहिर है, पर्व-त्योहार पर सांप्रदायिक हिंसा और तनाव अपने देश में नया नॉर्मल बनता जा रहा है। एक स्तर पर निश्चित रूप से यह कानून व्यवस्था की भी समस्या है। पुलिस और प्रशासन की नाकामी इसका एक अहम पक्ष है। लेकिन बात उतने तक सीमित नहीं है। समस्या का ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हमारे समाज की समरसता में, मिल-जुलकर प्यार से रहने की भावना में निरंतर कमी आ रही है। यह बात हमेशा हिंसा के ही रूप में प्रकट नहीं होती, अक्सर ऐसी प्रवृत्ति के रूप में दिखती है जो शांति भंग न करते हुए भी समाज के अलग-अलग हिस्सों में दूरी बढ़ाने का काम करती है। उदाहरण के लिए, नवरात्रि समारोहों में अन्य समुदाय के युवाओं को न आने देने की घोषणाओं को लिया जा सकता है। हेट स्पीच इसी का एक और उदाहरण है। ऐसी प्रवृत्तियां तत्काल भले किसी बड़ी अप्रिय घटना का कारण न बनें, दोनों तरफ ऐसी दुर्भावना को जन्म देती हैं, जो अन्य मौकों पर हिंसक घटनाओं को अंजाम देना आसान बना देती है। कानून व्यवस्था की एजेंसियों को ज्यादा चौकस करते हुए समाज में नफरत बढ़ा रही प्रवृत्तियों पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है।

सामाजिक विषमता का कारक है आरक्षण, खासकर सवर्ण आरक्षण तो बहुत बड़ा धोखा है

डॉ. शंकर सुवन सिंह

आरक्षण दो शब्दों से मिलकर बना है आ + रक्षण। आरक्षण शब्द में 'आ' उपसर्ग है और रक्षण अर्थात सुरक्षित करना। किसी वस्तु या व्यक्ति के लिए कोई स्थान पहले से बचा कर रखना आरक्षण कहलाता है। वर्ष 1947 में भारत ने स्वतन्त्रता प्राप्त की। डॉ. अम्बेडकर को भारतीय संविधान के लिए मसौदा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सभी नागरिकों के लिए समान अवसर प्रदान करते हुए सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछले वर्गों या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की उन्नति के लिए संविधान में विशेष धाराएँ रखी गयीं। 10 सालों के लिए उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए अलग से निर्वाचन क्षेत्र आवंटित किए गए। स्वतंत्र भारत में 26 जनवरी 1950 को आरक्षण लागू हुआ था। पिछड़ी जातियों को डॉ. भीम राव अम्बेडकर द्वारा दिया गया संरक्षण या आरक्षण उचित था। उस समय देश गुलामी की जंजीरों से उबारा ही था। आज़ादी के बाद देश में सामजिक समता लाने के लिए क्रांति की जरूरत थी। डॉ. भीम राव अम्बेडकर ने इसी क्रांति के तहत आरक्षण ला कर लोगों को सामाजिक समता का पाठ पढ़ाया। 10 वर्षों के लिए लागू किया गया आरक्षण सामाजिक समता का अच्छा उदाहरण था। इन 10 वर्षों में पिछड़ी जातियों के लोगों की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति ठीक हो चुकी थी। ये पिछड़ी जाति के लोग समाज में अच्छी स्थिति में पहुँच चुके थे। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि यह आरक्षण केवल 10 साल के लिए होना चाहिए। हर 10 साल में यह समीक्षा हो कि जिनको आरक्षण दिया जा रहा है, क्या उनकी स्थिति में कुछ सुधार हुआ है कि नहीं? उन्होंने यह भी स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि आरक्षण से किसी वर्ग का विकास हो जाता है तो उसके आगे की पीढ़ी को इस व्यवस्था का लाभ नहीं देना चाहिए, क्योंकि आरक्षण का मतलब बैसाखी नहीं है, जिसके सहारे सारी जिंदगी जी जाए। यह तो विकसित होने का एक आधार मात्र है, इससे ज्यादा कुछ भी नहीं।

आज़ादी के बाद से राजनैतिक पार्टियां चुनाव से पहले आरक्षण को मुद्दा बनाती रही हैं। सभी सरकारें आरक्षण को लागू करती रहीं हैं क्योंकि आरक्षण राजनैतिक पार्टियों के लिए वोट पाने का आधार बन चुका था। देश को आज़ाद हुए 75 साल हो गए। अब स्थिति यह है कि सवर्ण निम्न स्थिति में पहुँच चुके हैं। विलुप्त होती प्रजातियों को आरक्षित करना आरक्षण का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। आरक्षण समाज में आग की तरह फैला और सामाजिक समता को जला कर राख कर दिया। आरक्षित कोटे में सामान्य वर्ग का व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकता। प्रत्येक सरकारी नियुक्तियों में आरक्षित कोटे का व्यक्ति सामान्य वर्ग के कोटे में भी आवेदन कर सकता है। जिसके तहत सामान्य वर्ग की नौकरियों में भी आरक्षित वर्ग के लोग नौकरी कर रहे हैं। सरकारें आरक्षण को जारी रखकर सवर्णों को कुचलने का काम किया है। ये समता नहीं विषमता है। ये न्याय नहीं अन्याय

है। अतएव सामान्य वर्ग के लोगों के लिए सरकारी नौकरी पाना कठिन हो गया है। आज जब भारत तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, तो उसे फिर से पीछे धकेलने की साजिश क्यों की जा रही है?

आरक्षण को अभी भी जारी रखना समाज को एक तरह से दो हिस्सों में बांटने की साजिश करना है। आरक्षण आज देश की जरूरत नहीं है। हम सोचते हैं कि दलित वर्ग इस आरक्षण को हटाने की पहल करेगा, लेकिन यह कतई संभव नहीं। सरकारों द्वारा पिछड़ी जातियों को आरक्षण देकर उन्हें अपंग बना दिया गया है। जिस प्रकार किसी सही सलामत इंसान को बैसाखी की आदत डलवा दी जाए तो पैर रहते हुए भी वह बैसाखी की ही मदद लेगा। कहने का तात्पर्य पिछड़ी जातियां अब पिछड़ी नहीं रहीं और न ही उनको किसी प्रकार की बैसाखी की जरूरत है। जिन लोगों को बैसाखी के सहारे की आदत पड़ गई है, वे कभी अपनी बैसाखी हटाने के लिए नहीं कहेंगे। आरक्षित वर्ग से देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक बन गए हैं, फिर यह वर्ग पीछे कैसे रह गया? कई विभागों में बड़े अधिकारी आरक्षित वर्ग से हैं। कई बड़े नेता आरक्षित वर्ग से हैं। फिर हम यह कैसे मान सकते हैं कि आज भी दलित वर्ग का विकास नहीं हो पाया है? दलित वर्ग का विकास काफी हो गया है, अब यह पिछड़े नहीं हैं और न ही कमजोर हैं। अब यह पूरी तरह सम्पन्न लोग हैं। आजकल आरक्षण की एक श्रेणी ईडब्लूएस चर्चा का विषय बनी हुई है। ईडब्लूएस (इकोनोमिकली वीकर सेक्शन) जिसको हिंदी में आर्थिक कमजोर वर्ग कहते हैं। यह सामान्य वर्ग के लोगों को शिक्षा और सरकारी नौकरी में आरक्षण देने के लिए बनाया गया था, जिसके तहत आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाता है। वर्ष 2019 के जनवरी माह में केंद्र सरकार ने सामान्य वर्ग के लोगों को सरकारी नौकरी, स्कूल और कॉलेज में आरक्षण देने के लिए आर्थिक आधार पर 10 फीसदी का आरक्षण लागू किया था। इसके लिए संविधान में 103वां संशोधन किया गया था। आर्थिक कमजोर वर्ग के आरक्षण के लिए निम्नलिखित शर्तें हैं जैसे सामान्य वर्ग (जनरल केटेगरी) के किसी व्यक्ति को ईडब्लूएस में नहीं माना जायेगा अगर उसके परिवार के पास 1. पांच एकड़ या उससे ज़्यादा कृषि भूमि है। 2. एक हज़ार वर्ग फ़ीट या उससे ज़्यादा का आवासीय फ़्लैट है। 3. अधिसूचित नगर पालिकाओं में 100 वर्ग गज या और उससे ज़्यादा का आवासीय प्लॉट है। 4. अधिसूचित नगर पालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज या उससे ज़्यादा के आवासीय प्लॉट हैं। 5. सरकार ने ये भी स्पष्ट किया कि अगर किसी परिवार की अलग-अलग जगहों या शहरों में ज़मीन या संपत्ति है तो उन सब को जोड़ कर ही ईडब्ल्यूएस होने या न होने का फ़ैसला किया जाएगा। ईडब्ल्यूएस का लाभ प्राप्त करने लिए आवेदकों के पास वार्षिक आय 8 लाख रुपये से कम और संपत्ति का सुबूत होना चाहिए। इसके लिए आवेदकों को आय और संपत्ति प्रमाण पत्र बनवाना होता है। शिक्षक भर्ती के लिए यूजीसी की ओर से जारी दिशा निर्देश के अनुसार प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर ईडब्लूएस कोटे का लाभ उसी को मिल सकता है जिसकी वार्षिक आय आठ लाख रूपए से अधिक न हो। एसोसिएट प्रोफेसर के लिए अन्य शैक्षणिक योग्यता के अलावा असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर 8 साल तक पढ़ाने का अनुभव होना आवश्यक है। इसी प्रकार प्रोफेसर पद के लिए असिस्टेंट और एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर 10 साल तक पढ़ाने का अनुभव आवश्यक है। प्रश्न यह उठता है कि ऐसे में एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पद के लिए ईडब्लूएस कोटे के अभ्यर्थी मिलेंगे कैसे? असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर आठ साल पढ़ाने वाले अभ्यर्थियों की वार्षिक आय आठ लाख रूपए से अधिक हो जाती है। यही वजह है कि स्क्रीनिंग प्रक्रिया के दौरान ही अभ्यर्थी अयोग्य हो जा रहे हैं। अतएव विश्वविद्यालयों में ईडब्लूएस कोटे के तहत प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति असंभव हो गई है। ईडब्लूएस कोटे के मानक और इन पदों की अर्हता के कारण अभ्यर्थी ही नहीं मिल रहे हैं। सरकार ईडब्लूएस की आड़ में वोट की राजनीती का खेल रही है। इस आरक्षण का लाभ सवर्णों को नहीं मिल पा रहा है। ईडब्लूएस आरक्षण सवर्णों के साथ धोखा है। ईडब्लूएस कोटा सिर्फ़ आर्थिक आधार पर दिया गया है और जहां पहली नज़र में लगता ज़रूर है कि ये देश के ग़रीब लोगों के लिए एक संजीवनी का काम करेगा पर इसमें कमियां बहुत हैं। सभी राजनैतिक पार्टी की सरकारों ने आरक्षण जैसे शब्द के साथ खिलवाड़ किया है। आरक्षण का दुरुपयोग हुआ है। केंद्र सरकार को सभी सरकारी नौकरियों में सामान्य वर्ग को 50 प्रतिशत आरक्षण बिना किसी शर्त के दे दिया जाना चाहिए तभी सामान्य वर्ग आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़े वर्ग के बराबरी में आ पाएगा अन्यथा आरक्षण का खेल ख़त्म होना चाहिए। आज़ादी के बाद से लगातार दिया जाने वाला आरक्षण, सामाजिक विषमता का कारक है।

लोकसभा ने 35 प्रतिशत और राज्यसभा ने 24 प्रतिशत कामकाज किया

नीरज कुमार दुबे

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण पूरी तरह हंगामे की भेंट चढ़ गया। लोकसभा के कामकाज का प्रतिशत 35 प्रतिशत से कम और राज्यसभा के कामकाज का प्रतिशत 24 रहा। इससे आप ही अंदाजा लगाइये कि इस प्रतिशत को देखते हुए आप संसद के कामकाज को कैसे आंकेंगे? 35 और 24 प्रतिशत अंक वाले तो फेल माने जाते हैं इसलिए सवाल उठता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दर्शाना चाहते हैं?विपक्ष लोकतंत्र बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता।

लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने बार-बार बैठकें कर प्रयास किये कि सदन चले और जन हित से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो लेकिन सब प्रयास विफल हो गये। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही रोजाना सुबह आरंभ होते ही जिस तरह हंगामे के चलते मात्र दो से तीन मिनट के अंदर ही स्थगित

होती रही उसने हमारी संसदीय प्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिये हैं। जो हंगामे की नीयत से आते हैं वो सफल हो जाते हैं जो अपने क्षेत्र के मुद्दे उठाने की तैयारी करके आते हैं वो निराश होकर लौट जाते हैं।

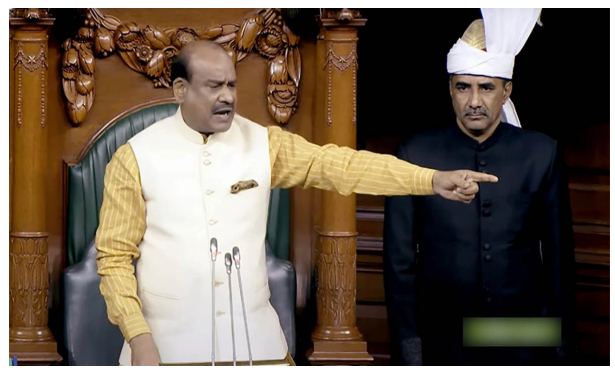

वैसे भी अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की छोटी-बड़ी उम्मीदों और सरकारी खजाने से अपार धन की बर्बादी की ही नहीं है, बात अब यह है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये? वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें? जरा इस बजट सत्र की ही बात कर लें तो लोकसभा में 133.6 घंटे की निर्धारित अवधि के मुकाबले 45 घंटे से थोड़ा ही अधिक कामकाज हुआ जबकि राज्यसभा में 130 घंटे की निर्धारित अवधि के मुकाबले 31 घंटे से थोड़ा ही अधिक कामकाज हुआ। इसका अर्थ है कि लोकसभा में निर्धारित समय के 34.28 प्रतिशत समय में ही कामकाज हुआ वहीं राज्यसभा में 24 प्रतिशत समय में कामकाज हुआ। राज्यसभा में हंगामे के कारण 103 घंटे 30 मिनट का कामकाज बाधित रहा।

वाकई यह स्थिति चिंताजनक है। जरा सोचिये...आप और हम या फिर हमारे जैसा कोई भी आम आदमी यदि एक दिन कार्यालय नहीं जाये या काम नहीं करे तो सैलरी कट जायेगी या कार्रवाई हो जायेगी लेकिन जनप्रतिनिधि यदि सत्र के दौरान कोई काम नहीं करते तो भी उनको वित्तीय, आवास या अन्य लाभ मिलते रहते हैं। इसलिए सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि लोगों के मन में एक वर्ग के रूप में हम तिरस्कार और उपहास का विषय हैं।

चुनाव करीब आते ही विपक्षी नेताओं को लाल किले के हसीन सपने आने लगे हैं

नीरज कुमार दुबे

जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव करीब आ रहे हैं वैसे-वैसे कई विपक्षी नेताओं को लाल किले के सपने आ रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दावत ए इफ्तार में गये तो वहां बैकग्राउंड में लाल किले का चित्र लगा हुआ था, लाल किले के चित्र के आगे बैठ कर खजूर खाते हुए नीतीश कुमार ने संभवतः वह ख्वाब एक बार फिर देखा जो वह पिछले काफी समय से देखते आ रहे हैं। इसके अलावा पिछले साल दशहरे पर लाल किला मैदान में लव कुश रामलीला के आयोजन में जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहुँचे थे तब उनकी नजर लाल किले की उस प्राचीर को ढूँढ़ रही थी जहां स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री तिरंगा फहराते हैं और देश को संबोधित करते हैं। लाल किले पर पहुँचने के लिए विपक्षी नेतागण तो आतुर हो रहे हैं लेकिन सवाल यह है कि जनता क्या चाहती है? क्या जनता ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहेगी जिसके राज्य में साम्प्रदायिक हिंसा हो रही हो और वह चैन से बैठकर खजूर खा रहा हो? क्या जनता ऐसे नेता को प्रधानमंत्री पद पर चाहेगी जो मुफ्त की रेवड़ी की आदत लगाकर सत्ता हासिल करता है और फिर उसके मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाते हैं? क्या जनता ऐसे नेता को प्रधानमंत्री पद पर चाहेगी जो पूरी तरह परिवारवादी हो, बेटे-बेटियों को महत्वपूर्ण पदों से नवाजता हो, कोरोना काल जैसे पीड़ादायक समय में जनता की सुध लेने की बजाय खुद घर में ही बैठा रहा हो? क्या जनता ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद पर चाहेगी जिसके परिवार के पास ही अधिकांश समय देश की सत्ता रही हो, जिसके परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप हों, जो खुद दो मामलों में जमानत पर बाहर हो, जिसकी संसद सदस्यता दो साल की सजा होने पर चली गयी हो, जिसके खिलाफ कई मामले देश की विभिन्न अदालतों में चल रहे हों, जिसके परिवार पर खुद को देश के कानून से ऊपर समझने के आरोप लगते हों?

पश्चिमी देशों सहित दुनियाभर में क्यों बढ़ रहे हैं हिंदुओं पर हमले, क्या हिंदू होना अपराध है?

नीरज कुमार दुबे

दुनियाभर में भले हिंदुओं की तादाद बहुत ज्यादा हो लेकिन जब कोई पद मिलने की बात आती है तो सबसे पहले हिंदू को पीछे किया जाता है, जब कोई सम्मान देने की बात आती है तो सबसे पहले हिंदू को पीछे किया जाता है। ऐसे अनेकों उदाहरण विश्व इतिहास में भरे पड़े हैं जब इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद हिंदुओं को भेदभाव का शिकार होना पड़ता है। जो विकसित और पश्चिमी देश भारत को तीसरी दुनिया का देश बताते हुए यहां के मानवाधिकारों के बारे में समय समय पर पक्षपाती रिपोर्ट जारी करते हैं वह खुद हिंदुओं के साथ बहुत भेदभाव करते हैं। ब्रिटेन में तो जब ऋषि सुनक प्रधानमंत्री पद की दौड़ में थे तब उनके मूल और धर्म को लेकर उन पर निशाना साधा गया था। अब ऋषि सुनक भले प्रधानमंत्री बन गये हैं लेकिन उनके देश में हिंदुओं के साथ भेदभाव जारी है। यही नहीं, अमेरिका में भी हिंदुओं के साथ भेदभाव की खबरें हाल में सामने आई हैं।

सबसे पहले ब्रिटेन की बात करें तो आपको बता दें कि भारत के हरियाणा राज्य के छात्र करण कटारिया ने दावा किया है कि भारतीय और हिंदू पहचान के चलते उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझकर चलाये गये एक अभियान के परिणामस्वरूप लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) छात्र संघ चुनावों के लिए उसे अयोग्य करार दे दिया गया। हम आपको बता दें कि हरियाणा निवासी छात्र करण कटारिया लंदन के इस विश्वविद्यालय में कानून में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है। कटारिया ने कहा कि वह अन्य छात्रों के समर्थन से एलएसई छात्र संघ चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित हुआ। हालांकि, उसे पिछले हफ्ते अयोग्य करार दे दिया गया। उसका मानना है कि उसके खिलाफ लगाये गये आरोप बेबुनियाद हैं और उसे अपना पक्ष पूरी तरह से रखने का मौका नहीं दिया गया। उसने कहा, "दुर्भाग्य से कुछ लोग एक भारतीय-हिंदू को एलएसई छात्र संघ का नेतृत्व करते नहीं देखना चाहते थे और मेरे चरित्र तथा पहचान को दागदार करने की कोशिश की...।" 22 वर्षीय करण कटारिया ने कहा, "जब मैंने एलएसई में अपने स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू की थी, तब मुझे पूरी उम्मीद थी कि मैं छात्र कल्याण के लिए अपने जुनून को पूरा करूंगा। लेकिन मेरे सपने उस वक्त बिखर गये, जब भारतीय और हिंदू पहचान के चलते मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझ कर तैयार किया गया एक अभियान शुरू किया गया।"

हम आपको बता दें कि करण कटारिया एक मध्यवर्गीय कृषक पृष्ठभूमि से है और खुद को अपने परिवार में विश्वविद्यालय स्नातक की पहली पीढ़ी बताता है। एलएसई लॉ स्कूल से स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए पिछले साल लंदन आने के शीघ्र बाद उसे अपने समकक्ष छात्रों का अकादमिक प्रतिनिधि चुना गया। साथ ही, उसे ब्रिटेन के नेशनल यूनियन फॉर स्टूडेंट्स के लिए प्रतिनिधि भी चुना गया। करण ने कहा, "सभी राष्ट्रीयता वाले छात्रों से अपार समर्थन मिलने के बावजूद, मुझे एलएसई छात्र संघ के महासचिव चुनाव के लिए अयोग्य करार दे दिया गया। मुझ पर होमोफोबिक (समलैंगिक लोगों को नापसंद करने वाला), इस्लामोफोबिक (इस्लाम के प्रति बैर रखने वाला) और हिंदू राष्ट्रवादी होने के आरोप लगाये गये।" भारतीय छात्र ने कहा, "...नफरत भरे अभियान शुरू करने वालों की पहचान करने या दंडित करने के बजाय एलएसई छात्र संघ ने मेरा पक्ष सुने बगैर या मुझे मिले वोट का खुलासा किये बगैर मुझे अयोग्य करार दे दिया।" करण कटारिया ने कहा, "यहां तक कि मतदान के आखिरी दिन, भारतीय छात्रों को डराया-धमकाया गया और उनकी राष्ट्रीयता एवं हिंदू धार्मिक पहचान को लेकर उन्हें निशाना बनाया। छात्रों ने यह मुद्दा उठाया, लेकिन एलएसई छात्र संघ ने धौंस देने वाले के खिलाफ कार्रवाई नहीं की।" इस बीच, एलएसई छात्र संघ ने एक बयान जारी कर कहा कि यह निष्पक्ष और लोकतांत्रिक तरीके से संचालित होता है तथा किसी भी तरह के उत्पीड़न को कतई बर्दाश्त नहीं करने का उसका कड़ा रुख है। बयान में कहा गया है, "दुर्भाग्य से इस साल चुनाव नियमों का एक उम्मीदवार ने उल्लंघन किया, जिसके परिणामस्वरूप एलएसई छात्र संघ को इस साल महासचिव पद के लिए नेतृत्व की दौड़ से उसे अयोग्य करार देने का कठिन फैसला लेना पड़ा।" वहीं अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव की बात करें तो आपको बता दें कि कैलिफोर्निया में जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगाने के वास्ते एक विधेयक पेश करने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी की सीनेटर के खिलाफ भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों ने शांतिपूर्ण रैली निकाली। भारतीय अमेरिकी समुदाय का कहना है कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो यह दक्षिण एशियाई और अन्य अश्वेत लोगों के नागरिक अधिकारों का उल्लंघन होगा और उन्हें समान सुरक्षा तथा उचित प्रक्रिया से वंचित करेगा। हम आपको बता दें कि स्टेट सीनेटर आइशा वहाब ने 22 मार्च को यह विधेयक पेश किया था। विधेयक पारित होने पर अमेरिका का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य कैलिफोर्निया जाति-आधारित पूर्वाग्रह को खत्म करने वाला देश का पहला राज्य बन सकता है। सीनेटर आइशा वहाब राज्य के सदन के लिए चुनी गई पहली मुस्लिम एवं अफगानिस्तानी अमेरिकी हैं। इस विधेयक के खिलाफ 'कोलेशन ऑफ हिंदूस ऑफ नॉर्थ अमेरिका' (सीओएचएनए) ने एक शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया। इसमें शामिल हुए लोगों ने कहा कि सीनेटर वहाब द्वारा पेश किया गया कानून हर जाति, धर्म और वंश के लोगों के लिए समानता और न्याय के मौलिक सिद्धांतों के खिलाफ है। फ्रेमोंट शहर के निवासी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्यरत हर्ष सिंह ने कहा कि यह विधेयक हिंदुओं और एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ पूर्वाग्रह उत्पन्न करता है, जो नफरत को बढ़ाएगा और उनके बच्चों को निशाने पर लाएगा। इस कानून के खिलाफ पोस्टर और बैनर प्रदर्शित करते हुए, प्रदर्शनकारियों ने कैलिफोर्निया में सदन के सदस्यों से अपील की कि वे हिंदुओं को अलग-थलग न करें या यह न मान लें कि वे केवल अपने जन्म के कारण दमनकारी कृत्यों के दोषी हैं। इन लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से सीनेटर वहाब के कार्यालय के सामने रैली निकाली और कहा कि कानून एसबी-403 कैलिफोर्निया में "जाति" को एक संरक्षित श्रेणी के रूप में जोड़ने का प्रस्ताव करता है। उन्होंने कहा कि यह अप्रमाणति और पक्षपाती आंकड़ों पर आधारित है जो दक्षिण एशियाई लोगों के साथ-साथ जापानी, अफ्रीकी तथा दक्षिण अमेरिकी समुदायों के अश्वेत लोगों को लक्षित करता है। कोलेशन ऑफ हिंदूस ऑफ नॉर्थ अमेरिका के अनुसार, "अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो यह दक्षिण एशियाई और अन्य अश्वेत लोगों के नागरिक अधिकारों का उल्लंघन होगा और उन्हें समान सुरक्षा तथा उचित प्रक्रिया से वंचित करेगा।" गौरतलब है कि ऐसा ही एक कानून सिएटल में भी लागू किया गया है और वह जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला अमेरिका का पहला शहर है।

वहीं, अमेरिका में हिंदुओं के समर्थन में भी एक खबर आई है लेकिन यह खबर तब आई जब हिंदुओं ने एकजुट होकर अपनी ताकत दिखाई। अमेरिका की जॉर्जिया असेम्बली ने 'हिंदूफोबिया' (हिंदू धर्म के प्रति पूर्वाग्रह) की निंदा करने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है। यह इस तरह का कानूनी उपाय करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बन गया है। हिंदूफोबिया और हिंदू विरोधी कट्टरता की निंदा करते हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू धर्म दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे पुराना धर्म है और दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में 1.2 अरब लोग इस धर्म को मानते हैं। प्रस्ताव में कहा गया कि यह धर्म स्वीकार्यता, आपसी सम्मान एवं शांति के मूल्यों के साथ विविध परंपराओं एवं आस्था प्रणालियों को सम्मिलित करता है। इस प्रस्ताव को अटलांटा की फोरसाइथ काउंटी से जनप्रतिनिधि लॉरेन मैक्डोनल्ड और टॉड जोन्स ने पेश किया था। हम आपको बता दें कि अटलांटा में बड़ी संख्या में हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोग रहते हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिकी-हिंदू समुदाय का चिकित्सा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, आतिथ्य, वित्त, शिक्षा, विनिर्माण, ऊर्जा और खुदरा व्यापार जैसे विविध क्षेत्रों में प्रमुख योगदान रहा है। इसमें कहा गया है कि योग, आयुर्वेद, ध्यान, भोजन, संगीत और कला के क्षेत्र में समुदाय के योगदान ने सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध किया है और इसे अमेरिकी समाज में व्यापक रूप से अपनाया गया है तथा इसने लाखों लोगों के जीवन को सुधारा है। प्रस्ताव में कहा गया है कि बीते कुछ साल में देश के कई हिस्सों में हिंदू-अमेरिकियों के खिलाफ नफरती अपराध के कई मामले दर्ज हुए हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, कुछ ऐसे "शिक्षाविदों ने हिंदूफोबिया को भड़काया है जो हिंदू धर्म को नष्ट करने का समर्थन करते हैं और इसके पवित्र ग्रंथों एवं सांस्कृतिक प्रथाओं पर हिंसा एवं उत्पीड़न को बढ़ावा देने" का आरोप लगाते हैं।

नई मांओं के बेहद काम आएंगी अपने शिशु के लिए रखें ख्याल

बच्चा अगर छोटा है और रो रहा है तो मां के लिए यह समझ पाना बहुत मुश्किल हो जाता है कि उसे क्या चाहिए। ऐसे में परेशान होने के बजाय मां को खुद ही यह समझना होता है कि उसे किस समय किस चीज की जरूरत होती है। आप को ही इन सब बातों के लिए पहले से ही कौन्फिडैंट होना चाहिए ताकि बच्चे की परवरिश अच्छी तरह से हो सके। बच्चे को ले कर कैसे कौन्फिडैंट बनें, आइए जानते हैं।

नहलाना : कई मांए बच्चे को पहली बार नहलाने से डरती हैं लेकिन सावधानी बरती जाए और नहलाने का सही तरीका पता हो तो यह इतना भी मुश्किल नहीं है। आइए जानें कि कैसे नहलाएं बच्चे को।

बच्चे को टब में नहलाना सही रहता है, बस इस के लिए ध्यान दें कि टब बहुत गहरा न हो, - बाच्चो का हमेशा कुनकुने पानी से ही नहलाएं। पानी को चैक करने के लिए अपनी कुहनी को पानी में डालें। अगर आप को पानी गरम नहीं लगता तो बच्चे को उस से नहला सकती हैं, सब से पहले पानी के छींटे डालें। एकदम उस पर पानी न डाल धीरेधीरे डालें, बच्चे को खासतौर पर बनाए गए बच्चों के प्रोडक्टस से ही नहलाएं। ध्यान रखें कि उन में पैराबेंस, एसएलएस व एसएलईएस जैसे तत्व न हों, इस बात का भी ध्यान रखें कि बच्चे के कानों या नाक में पानी न जाए, बच्चे के सिर पर पानी की सीधी धार कभी न डालें वरना इस से उसे चोट लग सकती है, नहलाने के बाद बच्चे को टौवेल में लपेट कर लोशन लगाएं,

बच्चे का अत्यधिक रोना : कई बार छोटे बच्चे जब रोना शुरू करते हैं तो चुप होने का नाम ही नहीं लेते। ऐसे में कई मांएं परेशान हो जाती हैं। इधरउधर अपने रिश्तेदारों से पूछती हैं कि क्या करें बच्चा रो रहा है। बच्चा अगर 3 महीने से छोटा है, तो कई बार वह बेवजह भी रो सकता है। ऐसे में उसे गोद में ले कर घूमने से वह अच्छा महसूस करता है और चुप हो जाता है। लेकिन अगर वह चुप नहीं हो रहा तो उसे भूख लगना, डाइपर गंदा होना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं, इसलिए उस की इन परेशानियों को दूर करें। कई बार बच्चा भूखा होने पर रोता है। बच्चा खाना खाने के कुछ देर बाद फिर से रोने लगता है, क्योंकि उस का पेट बहुत छोटा होता है। उसे थोड़ीथोड़ी देर में भूख लग जाती है, इसलिए उस के खानेपीने का खास ध्यान रखें।

इस के अलावा इन बातों पर भी गौर करें : बच्चे का डाइपर भर जाता है तो वह गीला हो जाता है। इस से बच्चे की नींद खुल जाती है और वह रोना शुरू कर देता है। गीले डाइपर में बच्चे को बहुत बेचैनी होती है, इसलिए बीचबीच में उस का डाइपर चैक कर बदलती रहें। इसे बदलने के बाद बच्चा शांत हो जाएगा। कई बार गंदे डाइपर की वजह से बच्चे की त्वचा में रैशेज हो जाते हैं, जिन में दर्द होता है और इचिंग भी हो सकती है। इसलिए इसे भी चैक कर लें कि कहीं बच्चा इस वजह से तो नहीं रो रहा। बच्चे का डाइपर चैंज करने के बाद उसे जिंकआक्साइड युक्त नैपी क्रीम अवश्य लगाएं। बच्चे की उम्र 6 से 8 महीने है तो वह दांत आने की समस्या से भी परेशान हो सकता है, इसलिए यह भी देख लें। कई बार बच्चा थक जाता है और उसे मां की गोद की तलब लगती है। वह इसलिए भी रोने लगता है, ऐसे में बच्चे को प्यार से गोद में ले कर उस का सिर सहलाएं। वह आराम महसूस करेगा और चुप हो जाएगा।

बच्चे का रातभर जगना : नवजात अकसर दिन में सोते हैं और रात को जागते हैं। कई बार वे दिन में जागने के बावजूद रात में सोते नहीं हैं। ऐसे में मातापिता को उन के साथ जागना पड़ता है, जो बहुत परेशानी की बात होती है। बच्चे को कोई परेशानी होती है तो भी वह सो नहीं पाता है जैसे कि अगर बच्चा भूखा है या फिर उसे किसी चीज की जरूरत है तो भी उसे नींद नहीं आती।

ऐसे में इन बातों पर ध्यान दें : बच्चे को रात में उठ कर कई बार दूध पिलाना होता है, क्योंकि वह थोड़ाथोड़ा दूध ही पीता है इसलिए बच्चे को दूध पिलाती रहें। ब्रैस्टपंप की सहायता से अपना दूध निकाल कर रख लें व समयसमय पर बच्चे को पिलाती रहें ताकि आप को भी आराम मिले और बच्चा भी भूखा न रहे। अगर बच्चे को किसी खास टौय या फिर चादर को ले कर सोने की आदत है, तो जब तक उसे वह चीज नहीं मिल जाती है वह जागता रहेगा। इसलिए इस बात का भी खयाल रखें। बच्चे को रोजाना एक ही समय पर सुलाएं, अपने हिसाब से उस के सोने के टाइम को इधरउधर न करें वरना उसे नींद नहीं आएगी। फीवर, सर्दी, पेट दर्द जैसी कोई समस्या होने पर भी वह सो नहीं पाता है, इसलिए ये सब भी चैक कर लें।

खिलौने भी हों खास : बच्चे के जन्म के बाद न सिर्फ मातापिता के द्वारा बच्चे के लिए बहुत से खिलौने खरीदे जाते हैं, बल्कि रिश्तेदारों के द्वारा भी बच्चे को उपहारस्वरूप बहुत से खिलौने दिए जाते हैं। बच्चे का पूरा कमरा खिलौनों से भर जाता है, जिस में से कुछ अच्छी क्वालिटी के होते हैं तो कुछ बेकार। लेकिन मां को पता होता है या फिर पता होना चाहिए कि उस के बच्चे के लिए कौन सा खिलौना सही है। बच्चे के पालने में लटकाने वाले रैटल जिस में रंगबिरंगे भालू, हाथी, छोटेछोटे घोड़े लटके होते हैं वह अच्छा रहता है। इसे देख कर बच्चा खुश होता है। इस से बच्चा अपनी आंखों के जरीए ध्यान केंद्रित करना भी सीखता है। समझदार मांएं अपने बच्चे को वही देती हैं। कई खिलौनों में घंटी लगी होती है और वह प्लास्टिक की रिंग के बीच होती है जोकि काफी नर्म भी होती है।

जब यह घंटी हवा से हिलती है, तो इस में से मधुर संगीत आता है, जिसे सुन कर रोता बच्चा चुप हो जाता है। इन के अलावा भी बहुत से खिलौने बच्चों की उम्र के हिसाब से मिलते हैं, लेकिन इस बात का खयाल रखना चाहिए कि जो भी खिलौना लें वह सौफ्ट हो, उस के कोने न निकले हों, वह मुलायम कपड़े का बना हो जिसे बच्चा ऐंजौय करे। जो भी खिलौना बच्चे को दें उस से पहले एक बार उसे खुद इस्तेमाल कर के देखें। अगर सही लगे तभी बच्चे को दें। बच्चों का खाना उगलना। जन्म के 3 महीने बाद तक बच्चों की लार निकलती रहती है। खास कर जब उन्हें कुछ खिलाया जाता है, तो वे तुरंत उलटी कर देते हैं। लेकिन इस के बाद मांओं का काम बढ़ जाता है और वे परेशान होने लगती हैं कि शिशु की इस आदत को कैसे बदलें। इस के लिए शिशु की नहीं, बल्कि खुद की कुछ आदतों को बदलें जैसे कि दूध पिलाने के बाद एकदम से जो माएं बच्चे के साथ खेलना शुरू कर देती हैं, उन्हें गोद में ले कर उछालती है उन के बच्चे दूध ज्यादा उगलते हैं इसलिए दूध पिलाने के बाद बच्चे को पहले कंधे से लगा कर डकार दिलवाएं ताकि उस का दूध हजम हो जाए और वह उसे उगले नहीं। कई बार ठंडा दूध पिलाने से भी बच्चा ऐसा करता है, क्योंकि उसे वह अच्छा नहीं लगता है। जब बच्चो को हो जाएं घमौरियां। गरमी के मौसम में अकसर बच्चों को घमौरियां हो जाती हैं, लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए तो इन से बचा जा सकता है जैसे कि। इस मौसम में बच्चे को हलके लूज और सौफ्ट कौटन के कपड़े पहनाएं। चुभने वाला कोई कपड़ा बच्चे को न पहनाएं। बच्चे को हर तरह का टैलकम पाउडर न लगाएं।

सिर्फ राइस स्टार्च युक्त बेबी पाउडर ही लगाएं ताकि उसे रैशेज और दानों से बचाया जा सके। घमौरियों वाली जगह को दिन में 2-3 बार साफ पानी से धोएं या स्पंज करें।

बच्चे को ज्यादा खुशबू वाले साबुन से न नहलाएं या फिर तेल न लगाएं, क्योंकि इन में कैमिकल होता है, जो बच्चे की नाजुक त्वचा के लिए सही नहीं है। मसाज करने में हों कौन्फिडैंट। कौन्फिडैंट मांएं बिना डरे अपने नाजुक से बच्चे की मालिश बिलकुल सही तरीके से स्टैपबाईस्टैप करती हैं जैसे कि। मालिश की शुरुआत पैरों से करें। इस के लिए अपने हाथों पर तेल मल बच्चे की जांघों को मलते हुए नीचे पैरों तक आएं। बच्चे की एडि़यों की भी मालिश करें। पैरों के अंगूठे को चक्राकार घुमाएं। बच्चे के हाथों, छाती और पीठ की मालिश करें। अगर मालिश के दौरान बच्चा रोने लगे तो उसे गले से लगा कर चुप कराएं। बच्चे की मालिश दूध पीने के बाद या सोते वक्त न करें।

युवतियां कैसे बनें पावरफुल

हर दिन समाचारपत्रों और टीवी पर यही खबर देखनेपढ़ने को मिलती है कि फलां जगह युवती के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ या फिर अपने ही जानकार ने मुंह काला कियाद्ब युवतियों के साथ हो रही यौन हिंसा और तेजाब फेंक कर उन्हें घायल करने की बढ़ती घटनाओं ने युवतियों में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। लेकिन युवतियों को इन वारदातों से डरने के बजाय सतर्क रहने व ऐसी घटनाओं के खिलाफ ऐक्शन लेने की जरूरत है। इस संबंध में पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी से बातचीत की गई और उन्होंने कुछ ऐसी बातें बताईं जिन पर अमल कर के हम खुद ऐसी परेशानियों का सामना बोल्डली कर सकते हैं जैसे : **चुप न रहें :** यदि कोई व्यक्ति आप को परेशान कर रहा है तो इस की शिकायत तुरंत अपने पेरैंटस या टीचर्स से करें। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को भी

सूचित करें। **कुछ खास ऐप्स भी काफी फायदेमंद दामिनी :** यह एक खास ऐप है जिसे चालू करते ही मोबाइल का कैमरा अपनेआप वीडियो बनाने लगता है। साथ ही मैसेज के साथसाथ वीडियो लिंक्स भी भेजता है। **आई फौलो :** यह भी खास ऐप है जो मोबाइल को हिलाने पर आप की /हैल्प मी/ कौल 3 लोगों को एकसाथ भेजता है।

निम्न सावधानियां बरतना जरूरी :

- अनजान लोगों पर भरोसा न करें।
- जब भी अकेली हों तब अधिक सतर्कता बरतें।
- रात के समय अकेली कहीं न जाएं, ग्रुप में ही बाहर निकलें।
- अनजाने या सुनसान रास्ते पर दिन में भी न जाएं।
- आप कहां जा रही हैं इस की जानकारी घर के किसी सदस्य को अवश्य दें।
- अनावश्यक रूप से किसी से बहस न करें।
- सड़क पर चलते समय हैडफोन का इस्तेमाल न करें, यदि अकेली रहती हैं तो

कभीकभी नौकरी या पढ़ाई के कारण किसी शहर में जा कर वहां अकेले रहना मजबूरी बन जाती है। वहां आप या तो पीजी में रहती हैं या फिर किराए पर कमरा ले कर रहती हैं। ऐसी स्थिति में सतर्क रहने के साथसाथ निम्न बातों का भी ध्यान रखें :

परिवार : शादी के बाद आखिर क्यों सिमट जाता है औरत का वजूद जिस सोसायटी मेंआप बतौर किराएदार रह रही हैं वहां के सिक्योरिटी गार्ड के बारे में अच्छे से जानकारी ले लें।

बालों के लिए बेहद जरूरी है सही हेयर ब्रश चुनना

आज के समय में अधिकतर लोग बालों के झड़ने की समस्या से परेशान हैं। अमूमन लोग इसके लिए गलत खानपान और बालों की देखरेख की कमी को जिम्मेदार मानते हैं। लेकिन शायद आपको जानकर हैरानी हो कि आपके द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला गलत ब्रश भी बालों के टूटने का एक मुख्य कारण है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप हमेशा अपने बालों के अनुसार ही ब्रश का चयन करें। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में.... **चौड़े दांत वाली कंघी :** जब आपको बाल सुलझाने हों तो उसके लिए चौड़े दांत वाली कंघी का इस्तेमाल करना अच्छा रहता है। इससे बालों के टूटने का डर कम रहता है। इतना ही नहीं, जिन लड़कियों के बालों अक्सर फ्रिजी यानी उलझे रहते हैं, उन्हें भी चौड़े दांत वाली कंघी का इस्तेमाल करना चाहिए।

कर्ली हेयर : कर्ली हेयर देखने में भले ही अच्छे लगते हों लेकिन इन्हें मैनेज करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे बालों को सुलझाना वास्तव में एक मुश्किल टास्क है। नार्मल हेयरब्रश से कर्ली हेयर को कॉम्ब करने से वे ज्यादा टूटते हैं। ऐसे बालों के लिए नायलॉन ब्रिसल्स वाले थोड़े चौड़े ओवल शेप वाले कुशन हेयरब्रश बेस्ट माने जाते हैं।

स्ट्रेट हेयर : स्ट्रेट हेयर आसानी से मैनेज हो जाते हैं। इसलिए इस तरह के बालों की महिलाओं को हेयर ब्रश का चुनाव करते समय ज्यादा परेशानी नहीं होती। आप किसी भी तरह के हेयर ब्रश का प्रयोग कर सकती हैं। लेकिन अगर आप अपने स्ट्रेट हेयर के लुक को और भी ज्यादा स्लीक लुक देना चाहती हैं तो आप नायलॉन ब्रिसल्स वाला चैड़ा ब्रश चुनें। इस तरह के बालों को संवारने में यह ब्रश काफी अच्छे माने जाते हैं। इसके अतिरिक्त आप फ्लैट हेयरब्रश का प्रयोग भी आसानी से कर सकती हैं।

पतले बाल : पतले बालों वाली महिलाओं को अपना हेयर ब्रश चुनते समय थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप गलत ब्रश का चुनाव करती हैं तो हेयरफॉल के कारण आपको काफी परेशानी हो सकती है। ऐसी महिलाएं अपने बालों को वाल्यूम देने के लिए रबर बेस व प्लास्टिक ब्रिसल्स वाला कर्वी हेयरब्रश चुन सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप राउंड हेयरब्रश का प्रयोग भी आसानी से कर सकती हैं। **ऑल हेयर** आपके बाल चाहें पतले हो या घने, छोटे हों या लम्बे, हर तरह के बालों के लिए पैडल ब्रश काफी अच्छे रहते हैं। डेली यूज़ के लिए पैडल हेयर ब्रश का प्रयोग करना काफी अच्छा माना जाता है। यह उलझे बालों को तो आसानी से तो सुलझाते हैं ही, साथ ही उन्हें एक स्मूद हेयर भी प्रदान करते हैं।

गर्मियों में इन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का करें इस्तेमाल, मिलेगा बेहद फायदा

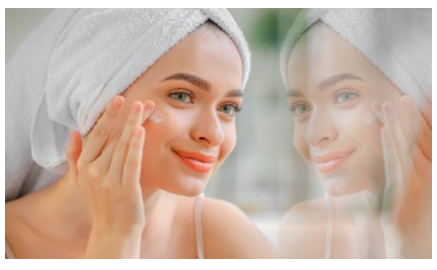

जब मौसम बदलता है तो आपकी स्किन की जरूरतें भी बदल जाती हैं। इतना ही नहीं, इस मौसम में अगर आप सच में अपनी स्किन की केयर करना चाहते हैं तो यह जरूरी है कि आप सही प्रॉडक्ट्स का भी चयन करें। आपकी स्किन अधिकतर इसी बात पर निर्भर करती है कि आप किन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स को चुनते हैं। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो समर्स में आपकी स्किन के लिए बेहद लाभदायक होते हैं-

ऑयल फ्री हो प्रॉडक्टः स्किन व मेकअप एक्सपर्ट कहते हैं कि समर्स में आप हमेशा ऐसे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स को चुनें, जो ऑयल फ्री हो। भले ही आपकी स्किन ऑयली हो या रूखी, समर्स में स्किन से अतिरिक्त ऑयल निकलता है, जिससे त्वचा चिपचिपी नजर आती है। वहीं अगर ब्यूटी प्रॉडक्ट भी ऑयल बेस्ड होंगे तो इससे आपकी स्किन हमेशा ग्रीसी नजर आएगी। **जरूरी है सनस्क्रीनः** आमतौर पर सांवली स्किन की लड़कियां यह मानती हैं कि उन्हें सनस्क्रीन की कोई जरूरत नहीं है। जबकि यह सच नहीं है। वैसे तो आपको हमेशा ही घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन अप्लाई करना चाहिए। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी स्किन टोन क्या है, सूरज की हानिकारक किरणें आपकी स्किन को बेहद नुकसान पहुंचा सकती हैं। सूरज की किरणों से आपको सनटैन के अलावा स्किन रैशेज व अन्य स्किन प्रॉब्लम्स होने का खतरा भी रहता है। **एसपीएफ युक्त हो लिप बामः** चूंकि समर्स में आप लिप्स पर सनस्क्रीन नहीं लगा सकती हैं, इसलिए अपनी लिप्स की अतिरिक्त केयर करने व उसे सूरज की किरणों से प्रोटेक्ट करने के लिए आप समर्स में ऐसे लिप बाम को अप्लाई करें, जो एसपीएफ युक्त हो। इस तरह के लिप बाम समर्स में आपके होंठों को नमी प्रदान करने के साथ-साथ सूरज से भी प्रोटेक्ट करते हैं। **बीबी क्रीम आएगी कामः** समर्स में जब मेकअप की बात होती है तो आपको खुद को लाइट रखना चाहिए। इसके लिए हैवी फाउंडेशन या मेकअप प्रॉडक्ट अप्लाई करने की जगह बीबी क्रीम लगाएं। यह एक हल्का मेकअप प्रभाव देता है और एक मॉइस्चराइज़र के रूप में कार्य करता है, जो आपकी त्वचा को यूवी क्षति से बचाता है। यह आपके चेहरे पर एक चमक प्रदान करता है और आपकी स्किन को इवन टोन लुक देता है।

मधुमेह की है समस्या तो भूल से भी ना करें इन फलों का सेवन

वैसे तो फलों का सेवन सेहत के लिए बेहद गुणकारी माना गया है और इसलिए हर किसी को अपनी डाइट में किसी ना किसी रूप में करना चाहिए। लेकिन प्रत्येक फल हर व्यक्ति के लिए सही नहीं माना जाता। दरअसल, हर व्यक्ति की स्वास्थ्य समस्याएं भिनन होती हैं और इसलिए फलों का चयन उसे अपनी हेल्थ कंडीशन को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। अन्यथा फल उसे फायदा कम और नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति को किन फलों के सेवन से बचना चाहिए- **सूखे फलः** डायटीशियन बताते हैं कि सूखे फल खाने में भले ही स्वादिष्ट लगें, लेकिन इनमें शुगर अधिक कंसन्टेंटेड होती है। इनमें ताजे फलों की तुलना में चार गुना अधिक कार्ब्स हो सकते हैं।

वहीं अगर इन फलों के छिलके हटा दिए जाएं तो इसमें फाइबर की मात्रा भी कम हो सकती है। इसलिए अगर कोई व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित है तो उसे सूखे फलों से बचना चाहिए। साथ ही ऐसे फलों का चयन करना चाहिए, जिनमें शुगर की मात्रा कम हो, ताकि आपक ब्लड शुगर नियंत्रित रहे।

फ्रूट जूसः डायटीशियन विशेष रूप से इस बात पर जोर देते हैं कि एक मधुमेह पीड़ित व्यक्ति को फलों के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। यहां तक कि 100 प्रतिशत फलों का रस भी ग्लूकोज स्पाइक्स का कारण बनता है। दरअसल, फलों को जब जूस में बदला जाता है, तो उसमें मौजूद फाइबर हट जाता है और फिर शरीर को जूस में मौजूद शुगर को ब्रेक डाउन करने में अधिक वक्त नहीं लगता है। जूस जल्दी से मेटाबोलाइज किया जाता है और यह मिनटों के भीतर आपके रक्त शर्करा को बढ़ाता है। इसके अलावा, यह आपकी डेली डाइट में अतिरिक्त कैलोरी बढ़ाता है, जिसके कारण आपको वजन बढ़ने की समस्या भी हो सकती हैं। एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि ब्लूबेरी, अंगूर और सेब जैसे फलों का उपभोग टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करता है, जबकि फलों के रस का सेवन टाइप 2 डायबिटीज के उच्च जोखिम से जुड़ा था।

उच्च-ग्लाइसेमिक फलः डायटीशियन बताते हैं कि ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) एक निश्चित सूची है, जो यह निर्धारित करती है कि कुछ खाद्य पदार्थ आपके रक्त शर्करा को कैसे प्रभावित करेंगे। मधुमेह पीड़ित व्यक्तियों की डाइट को निश्चित करते समय यह बेहद मददगार हो सकता है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि एक पके हुए फल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जिसका अर्थ है कि यह आपके शरीर में रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ाएगा। इसके अलावा, कुछ फलों जैसे अनानास, केला, तरबूज आदि में जी आई का स्तर नेचुरली अधिक होता है और इसलिए उन फलों से मधुमेह पीड़ित व्यक्ति को दूरी बनानी चाहिए।

राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच रोमांचक मुकाबले के हीरो रहे संदीप शर्मा

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा जिसमें राजस्थान को अंतिम ओवर की अंतिम गेंद पर रिजल्ट सामने आया। अंतिम गेंद तक रोमांच से भरपूर रहे इस मुकाबले में तीन रन से राजस्थान को जीत मिली। इस मैच के अंतिम दो ओवर बेहर रोमांचक रहे जिसमें आखिरी दो ओवर में चेन्नई को 40 रनों की जरुरत थी।

मुकाबले को अंजाम तक पहुंचाने के लिए मिसिटर फिनिशर महेंद्र सिंह धोनी और उनके साथ रविंद्र जडेजा क्रिज पर मौजूद थे। दोनों ने मिलकर 19वें ओर में 19 रन बनाए। इसके बाद अंतिम ओवर में 21 रनों की जरुरत थी, क्रीज पर थे महेंद्र सिंह धोनी और गेंदबाज थे संदीप शर्मा। इस मुकाबले में बेस्ट फनिशर के सामने संदीप ने गेंद डालने की जिम्मेदारी संभाली। इसके शुरुआत में दो वाइड गेंद

डालने के बाद संदीप शर्मा ने अंतिम गेंद में पांच रनों की जरुरत छोड़ी थी। क्रीज पर धोनी के रहते माना जा रहा था कि इस सीजन का पहला सुपर ओवर फैंस को देखने को मिल सकता है। मगर संदीप ने इस मुकाबले में चेन्नई को जीत हासिल नहीं करने दी। इस मुकाबले के बाद संदीप ने ट्वीट कर कहा कि, माही पाजी को 200वें आईपीएल मुकाबले के लिए बधाई। उनके साथ मैदान शेयर करना और उन्हें गेंदबाजी करना सम्मान की बात है। हमेशा ग्रेटफुल। हालांकि इस मुकाबले के अंतिम ओवर में संदीप शर्मा पर गजब का प्रेशर था। खासतौर पर शुरुआती तो गेंद वाइड डालने के बाद ये प्रेशर जमकर बढ़ गया था। इस तरह का दबाव होने के कारण वो काफी परेशान थे और पांच गेंदों में 14 रन दे चुके थे। संदीप शर्मा इस सीजन में अनसोल्ड रहे थे। उन्हें आईपीएल 2023 के ऑक्शन में किसी भी टीम ने जगह नहीं दी थी। वो तेज गेंदबाज हैं मगर उन्हें किसी भी टीम ने शामिल नहीं किया था। वो इंटरनेशनल लेवल का गेंदबाज माने जाते है। उनके अनसोल्ड होने के बाद भी उन्हें खेलने का मौका मिला और वो मैच विनर भी बने है। दरअसल संदीप शर्मा को टीम में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह शामिल किया गया है। उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 50 लाख रुपये के प्राइज पर खरीदा था। टीम में संदीप को शामिल कर टीम में जगह भी दी। आंकड़ों की बात करें तो आईपीएल में वो 106 मुकाबलों में 116 विकेट ले चुके है।

पूरे 22 लाख रुपये में बिके हैं ये खास जूते, बॉस्केट बॉल के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी से है जूतों का ताल्लुक

नई दिल्ली। अमेरिका के बास्केट बॉल के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी माइकल जॉर्डन के जूतों को सर्वाधिक दामों में बेचा गया है। इन जूतों को 11 अप्रैल को 22 लाख डॉलर में बेचा गया है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इतनी अधिक कीमत पर अब तक कोई जूता नहीं बिका है। माइकल जॉर्डन के इन जूतों को पहनकर खेल भी चुके है। जानकारी के मुताबिक ये जूते बेहद एतिहासिक हैं। इन जूतों को पहनकर साल 1998 के एनबीए फाइनल (बॉस्केटबॉल चैंपियनशिप) के दौरान वो कोर्ट में उतरे थे। बता दें कि ये मुकाबला बेहद खास था क्योंकि ये एनबीए चैंपियनशिप का मुकाबला उनका छठा और अंतिम चैंपियनशिप खिताब का मुकाबला था।

बता दें कि एयर जॉर्डन 13 स्नीकर्स ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस संबंध में नीलामी करने वाली संस्था सोथबी ने जानकारी दी है कि वर्ष 1998 में माइकल ने एयर जॉर्डन 13 स्नीकर्स पहने थे जिन्हें हाल ही में 22 लाख डॉलर में बेचा गया है। इतनी अधिक कीमत पर बिकने वाला ये अपने आप में अनोखा रिकॉर्ड है। इस संबंध में सोथबी ने कहा कि ये रिकॉर्ड काफी बड़ा है। इससे साफ है कि माइकल जॉर्डन स्पोर्ट्स मेमोरेबिलिया की मांग बेहतर प्रदर्शन करते हुए सभी अपेक्षाओं को पार कर रही है। बता दें कि इससे पहले सितंबर 2021 में 15 लाख रुपये

में जूते बेचने का रिकॉर्ड बना था, जो अब टूट चुका है। इस संबंध में निलामी कंपनी सोथबी के कार्यकारी अधिकारी और संस्थापक गेरोप सैप ने कहा कि ये नया रिकॉर्ड है जो कि स्नीकर्स के इतिहास को और अधिक शक्तिशाली बनाता है। उन्होंने कहा कि जॉर्डन दुनिया भर में सर्वाधिक कीमत पर बिकने वाले स्नीकर्स में शुमार है। इसने स्नीकर्स उद्योग के लिए खास बाजार तैयार किया था। वर्तमान में यह सबसे मूल्यवान स्नीकर्स के लिए बाजार तैयार कर रहे हैं।' बता दें कि इन जॉर्डन को खरीदने के लिए कई श्रेणियों और कई विधाओं के लोग आए थे। इसमें रियल एस्टेट से लेकर फाइनेंस और प्राइवेट इक्विटी तक के ग्राहक शामिल रहे। उन्होंने बताया कि ऐसी चीजों की नीलामी की जाती है जिसमें खिलाड़ियों के हस्ताक्षर भी शामिल होते है। बता दें कि जो जूते नीलाम किए जाते हैं वो काले और लाल रंग के हैं। ये जूते अपने आप में एक ब्रैंड के तौर पर जाने जाते है। हालांकि अबतक ये जानकारी सामने नहीं आई है कि इन जूतों का खरीददार कौन है। जॉर्डन शूज के अलावा नीलामी में और भी कई चीजों की बोली लगी है। इसमें अमेरिकन बेसबॉल खिलाड़ी बेबे रुथ द्वारा इस्तेमाल किया गया एक बल्ला 1.85 लाख डॉलर में बिका, जबकि मई, 2022 में फुटबॉल के दिग्गज डिएगो माराडोना द्वारा पहनी गई जर्सी लगभग 9.28 लाख डॉलर में बिकी है। बता दें कि सितंबर 2022 में वर्ष 1998 के एनबीए फाइनल मुकाबले में जॉर्डन की जर्सी की नीलामी भी हो चुकी है। ये जर्सी उस समय 10.1 लाख डॉलर में नीलाम हुई थी।

राजस्थान और चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में चोटिल हुए एमएस धोनी, अगला मैच खेलने पर संशय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी ने 17 गेंदों में 32 रनों की धमाकेदार पारी खेली तो जरुर मगर वो अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सके। महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी पारी में 3 छक्कों और एक चौके की मदद से धमाकेदारी पारी तो खेली मगर इस पारी को जीत में सफल नहीं हो सके और चेन्नई को तीन रन से हार का सामना करना पड़ा।

इस मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी अंतिम गेंद पर छक्का नहीं लगा सके और टीम को जीत नहीं मिली। मगर इस मुकाबले में हार के साथ ही कुछ ऐसा हुआ जो फैंस के लिए अधिक चिंता का विषय बन गया है। दरअसल इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी चोटिल हो गए है। इसकी जानकारी कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि माही चोटिल हुए है, जिससे फैंस काफी परेशान हो गए है।

कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने बताया कि धोनी घुटने की चोट से परेशान हो गए है। मैच के दौरान धोनी को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। धोनी की फिटनेस अब तक हमेशा शानदार रही है। वो अपने खेल को लेकर बेहद प्रोफेशनल है। टीम के फिजियो धोनी की फिटनेस पर ध्यान दे रहे है और उनकी चोट की निगरानी भी रखी जा रही है। वैसे ये बात सामने नहीं आई है कि महेंद्र सिंह धोनी अगला मुकाबला खेलेंगे या नहीं, मगर फैंस धोनी की चोट की जानकारी मिलने पर परेशान हो गए है।

चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी इस समय चोट से जूझ रहे है। ऐसे में टीम के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। महेंद्र सिंह धोनी के अलावा टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर बैठे है। इसमें स्टार गेंदबाज दीपक चाहर, सिमरजीत, बेनस्टोक्स और सिसांडा मगाला शामिल है। उनके अलावा जैमिसन और मुकेश चौधरी भी लीग से बाहर हैं क्योंकि वो चोटिल हो गए है। जानकारी के मुताबिक दीपक चाहर चोट के कारण दो सप्ताह तक कोई मैच नहीं खेल सकेंगे, जबकि सिसांडा मगाला भी एक सप्ताह के लिए बाहर है।

चार मैच गंवाने के बाद हार मान सकते हैं लेकिन इससे स्थिति और खराब होगी : अक्षर पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मंगलवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ छह विकेट की शिकस्त के साथ लगातार चौथी हार के बाद कहा कि उनकी टीम ऐसी शुरुआत के बाद हार मान सकती है लेकिन अगर ऐसा किया तो स्थिति और बदतर ही होगी। दिल्ली के 173 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने सलामी बल्लेबाज रोहित (45 गेंद में 65 रन, छह चौके, चार छक्के) के अर्धशतक के अलावा इशान किशन (31) के साथ उनकी पहले विकेट की 71 और तिलक वर्मा (29 गेंद में 41 रन, एक चौका, चार छक्के) के साथ दूसरे विकेट की 68 रन की साझेदारी से अंतिम गेंद पर चार विकेट पर 173 रन बनाकर जीत दर्ज की।

दिल्ली की टीम अक्षर की 25 गेंद में पांच छक्कों और चार चौकों से 54 रन की पारी और कप्तान डेविड वार्नर (47 गेंद में 51 रन, छह चौके)के साथ उनकी छठे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी के बावजूद 19.4 ओवर में 172 रन पर सिमट गई थी। मुंबई

की तरफ से अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला ने 22 जबकि जैसन बेहरेनडोर्फ ने 23 रन पर तीन-तीन विकेट हासिल किए। अक्षर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''चार हार के बाद हमारे पास दो रास्ते हैं। या तो हम मार मान सकते हैं कि हमने चार मैच गंवा दिए हैं और रन रेट भी खराब है लेकिन अगर हम ऐसा करते हैं तो चीजें और खराब ही होंगी। या फिर हम देखते हैं कि हम अपना रवैया कैसा रखते हैं और अगले मैच की तैयारी कैसे करते हैं।''

उन्होंने कहा,'' हार-जीत से फर्क पड़ता है लेकिन जब हम इस तरह की स्थिति में निराश होते हैं कि चार मैच हार गए हैं, रन रेट नहीं हैं, क्वालीफिकेशन का क्या होगा तो स्थिति और खराब होती जाएगी। जो प्रदर्शन चाहिए आप वह प्रदर्शन नहीं कर पाओगे इसलिए मुझे लगता है कि अपना रवैया और सकारात्मकता काफी जरूरी है।'' वार्नर ने चार पारियों में तीसरा अर्धशतक जड़ा लेकिन वह अपने चिरपरिचित आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं जो टीम के लिए चिंता का विषय है। अक्षर ने कहा, ''वार्नर रन बना रहा है लेकिन काफी कोशिश करने के बावजूद तेजी से रन नहीं जुटा पा रहा है। मुझे नहीं पता कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है लेकिन टीम प्रबंधन और कोच ने भी उनसे बात की है।''

बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे जाने की संभावना पर अक्षर ने कहा कि निचले क्रम में भी ऐसे बल्लेबाज की जरूरत है जो तेजी से रन बना सके और टीम के लिए अच्छे फिनिशर की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा, ''इस क्रम (सातवें नंबर) पर आकर भी मुझे 10 से 12 ओवर खेलने का मौका मिल रहा है जो मुझे लगता है कि टी20 में मेरे लिए पर्याप्त है। टीम प्रबंधन से बल्लेबाजी क्रम को लेकर चर्चा की है लेकिन अगर मैं ऊपर खेला और जल्दी आउट हो गया तो शायद पारी के अंत में तेजी से रन जुटाना मुश्किल हो जाए।'' अक्षर ने कहा कि टीम के पास पर्याप्त अनुभव वाले घरेलू खिलाड़ी हैं लेकिन टीम एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है।

उन्होंने कहा, ''हमारे घरेलू खिलाड़ियों को अनुभव है। यश धुल अंडर-19 खेला है और ललित यादव दो-तीन साल से लगातार दिल्ली के लिए खेल रहा है। बस सब लोग एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। हमारा संयोजन भी लगातार बदल रहा है जिससे थोड़ी परेशानी हो रही है।'' मैच के बारे में अक्षर ने कहा, ''कोच, कप्तान और थिंक टैंक इस बारे में बात करेगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं। निजी तौर पर मेरी भी थोड़ी गलती थी। दस गेंद बची थी तो अगर मैं टिका रहता तो और रन बन सकते थे लेकिन मैं अच्छी लय में था तो सोचा कि अगर मैंने पहली गेंद पर बड़ा शॉट मार दिया तो गेंदबाज दबाव में आ जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''इस पिच पर नए बल्लेबाज के लिए आते ही शॉट खेलना आसान नहीं था। लेकिन हम चौके-छक्के मारने की कोशिश करने की जगह एक-दो रन लेकर बाकी बची 11 गेंद में 11-12 रन भी बना सकते थे। अगर हम 180 के आस-पास पहुंच जाते तो स्थिति कुछ और हो सकती थी।

सीएसके के खिलाफ जीत पड़ी राजस्थान रॉयल्स के संजू सैमसन को भारी

लगा लाखों रुपये का जुर्माना

नई दिलली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ़ में हराने के बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। इस बेहद ही रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अंतिम ओवर की अंतिम गेंद पर जीत हासिल की है। मुकाबले के अंत तक फैंस के होश उड़े रहे मगर खुश होने का मौका राजस्थान रॉयल्स को मिला। खास बात है कि चेन्नई के खिलाफ मुकाबले में जीत की खुशी राजस्थान की टीम के पास अधिक समय तक नहीं रह सकी।

चेन्नई सुपर किंग्स को उसके गढ़ चेपॉक में मात देने के बाद राजस्थान रॉयल्स को लाखों रुपये के नुकसान का दर्द झेलना पड़ा है। दरअसल आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट से संबंधित नियमों के मुताबिक स्लो ओवर रेट के नियमों का राजस्थान

रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने उल्लंघन किया है। आईपीएल के मुकाबलों में हर सीजन में इस नियम का उल्लंघन कोई ना कोई कप्तान करता ही है। इस नियम का उल्लंघन पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसी पर भी ये जुर्माना लगा है।

राजस्थान रॉयल्स की जीत में खलल बनकर एक बड़ा फाइन भी टीम पर लगा है। टीम के कप्तान संजू सैमसन की जीत की खुशी को भंग करने के लिए उनपर स्लो ओवर रेट को लेकर जुर्माना लगाया गया है। चेन्नई सुपर किंग्स से मुकाबले के बाद ये जुर्माना संजू सैमसन पर लगा है। उन्हें जुर्माने के तौर पर 12 लाख रुपये की राशि भरनी होगी।

आईपीएल 2023 के 17वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 3 रनों से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान की टीम ने 8 विकेट पर 175 रन बनाए। 176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 172 रन ही बना सकी। राजस्थान के स्पिन गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज़ संघर्ष करते नजर आए। चेन्नई की ओर से डेवॉन कॉन्वॉय ने 38 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली। इसके अलावा अजिंक्य रहाणे 31 रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, अपने 200वें में आईपीएल मुकाबले में कप्तानी कर रहे महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने आखिरी क्षणों में कोशिश जरूर की। लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। चेन्नई को अपने गृह मैदान पर हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत के साथ जहां राजस्थान के 6 अंक हो गए तो वहीं चेन्नई सुपर किंग्स 4 मुकाबलों में से 2 में हार का सामना कर चुकी है।

विनीसियस और बेंजेमा के शानदार खेल से रियाल मैड्रिड ने चेल्सी पर बढ़त बनाई

मैड्रिड। करीम बेंजेमा ने चेल्सी के खिलाफ एक बार फिर गोल दागा जिससे रियाल मैड्रिड लगातार दूसरे सत्र में इंग्लैंड के क्लब को चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता से बाहर करने के करीब पहुंच गया है। विनीसियस जूनियर ने रियाल मैड्रिड की तरफ से दोनों गोल करने में मदद की जिससे उनकी टीम ने क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 2-0 से बढ़त बनाकर सेमीफाइनल में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। बेंजेमा ने 21वें मिनट में पहला गोल किया जबकि मार्को असेनसियो ने 74वें मिनट में बढ़त दोगुनी की। बेंजेमा का यह चेल्सी के खिलाफ पांच मैचों में छठा गोल था। बेन चिलवेल को लाल कार्ड मिलने के कारण चेल्सी को आखिरी आधे घंटे में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। चेल्सी की फ्रैंक लैंपार्ड का अंतरिम कोच का पद संभालने के बाद यह लगातार दूसरी हार है।

स्टोक्स और आर्चर चोटों का बखूबी ध्यान रखेंगेः इयोन मोर्गन

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन को भरोसा है कि इंग्लैंड के मुख्य क्रिकेटर बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर अपनी चोटों का अच्छी तरह ध्यान रखेंगे और उन्होंने साथ ही कहा कि ये दोनों सिर्फ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए ही नहीं बल्कि इस साल के अंत में विश्व कप और एशेज श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। स्टोक्स पैर के अंगूठे की चोट की वजह से बाहर चल रहे हैं जबकि आर्चर की उसी कोहनी में परेशानी है जिसका बीते समय में दो बार ऑपरेशन हो चुका है जिसके कारण वह लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे थे।

मोर्गन ने बुधवार को 'वर्चुअल' बातचीत में कहा, ''ये दोनों काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं। वे अपने शरीर को अच्छी तरह जानते हैं। बेन ने अपने पूरे करियर में सभी तीनों प्रारूपों में अपने शरीर का अच्छी तरह ध्यान रखा है। '' उन्होंने कहा, ''जोफ्रा ने वापसी की है और वह अच्छी गेंदबाजी

कर रहे हैं। निश्चित रूप से उसे थोड़ी परेशानी हुई थी। लेकिन ये खिलाड़ी अपने शरीर को बखूबी जानते हैं, वे सिर्फ इसी आईपीएल सत्र के लिए नहीं बल्कि पूरे साल के लिए तैयारी कर रहे हैं। '' स्टोक्स पिछले कुछ समय से अपने बायें घुटने की चोट से परेशान हैं और उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ चेन्नई में केवल एक ही ओवर फेंका

एसी मिलान ने नेपोली को 1-0 से हराया

मिलान। एसी मिलान ने इस्माइल बेनेसर के गोल की मदद से चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में नेपोली को 1-0 से पराजित किया। इस्माइल बेनेसर ने 40वें मिनट में गोल दागा जिससे एसी मिलान अपने कट्टर प्रतिद्वंदी पर बढ़त बनाने में सफल रहा। यह एसी मिलान की दो सप्ताह से भी कम समय में नेपोली पर दूसरी जीत है। उसने दो अप्रैल को सीरि ए के मुकाबले में नेपोली को 4-0 से हराया था। नेपोली को मिडफील्डर आंद्रे फ्रैंक ज़ाम्बो एंगुइसा को दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण अंतिम 16 मिनट में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इन दोनों टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल का दूसरा चरण अगले मंगलवार को नेपल्स में खेला जाएगा। इस क्वार्टर फाइनल की विजेता टीम का मुकाबला सेमीफाइनल में इंटर मिलान या बेनफिका से होगा। इंटर मिलान ने क्वार्टर फाइनल का पहला चरण 2-0 से जीता था।

कुछ खिलाड़ी एनसीए के स्थायी निवासी बन गए हैं, लगातार चार मैच नहीं खेल सकते : शास्त्री

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने देश के कुछ प्रमुख गेंदबाजों की चोट के प्रबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे 'रिहैबिलिटेशन' कराते हुए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के स्थायी निवासी बन गए हैं। शास्त्री ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन उनका इशारा चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर की ओर था जो पिछले आठ महीने में कम से कम तीन बार चोटिल हो चुके हैं जबकि नितिन पटेल की अगुवाई वाली एनसीए की खेल विज्ञान और मेडिकल टीम ने उन्हें फिट करार दिया था। शास्त्री ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के डिजिटल वीडियो में व्यंग्यात्मक लहजे में कहा ,'' ऐसे भी कह सकते हैं कि पिछले तीन या चार साल में एनसीए को स्थायी ठिकाना बनाने वाले कई हैं।

उन्हें जल्दी ही निवास की अनुमति मिल जायेगी यानी वे कभी भी वहां जा सकते हैं जो अच्छी बात नहीं है।''

बीसीसीआई द्वारा संचालित बेंगलुरू स्थित एनसीए के पास खेल विज्ञान और मेडिकल की एक विशेषज्ञ टीम है जो केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की चोटों के इलाज में मदद करती है। चाहर को बायीं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा कमर के फ्रेक्चर के कारण सर्जरी करा चुके हैं। अक्टूबर 2021 तक भारतीय टीम के कोच रहे शास्त्री ने हैरानी जताई कि इनमें से कुछ खिलाड़ी तो सारे प्रारूप भी नहीं खेलते हैं लेकिन लगातार चार टी20 मैचों में चार चार ओवर भी नहीं डाल सकते। उन्होंने कहा ,'' ये लगातार चार मैच नहीं खेल सकते। फिर एनसीए क्यों जाते हैं। तीन मैच बाद फिर एनसीए लौट आते हैं।' शास्त्री का मानना है कि रोहित शर्मा का फॉर्म में लौटना पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस के लिये अच्छा संकेत है। मुंबई ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर तीन मैचों में पहली जीत दर्ज की। दिल्ली ने 172 रन बनाये जिसके जवाब में मुंबई ने आखिरी गेंद पर जीत दर्ज की।

रोहित ने 65 रन बनाये जो 24 पारियों के बाद उनका पहला अर्धशतक है। शास्त्री ने कहा ,'' रोहित शर्मा ने दिल्ली के खिलाफ दबाव का बखूबी सामना किया। उन्होंने मोर्चे से अगुवाई की। उनका फॉर्म में लौटना उनके और टीम के लिये अच्छा है।'' उन्होंने कहा ,'' इस जीत से आगे के मैचों के लिये मुंबई का आत्मविश्वास बढेगा।'' इस बीच महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर चाहते हैं कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आयें। चेन्नई को बुधवार को राजस्थान रॉयल्स से खेलना है जो बतौर कप्तान धोनी का 200वां मैच है। गावस्कर ने कहा ,'' मुझे उम्मीद है कि धोनी बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आयेंगे ताकि उन्हें दो तीन ओवर अधिक खेलने को मिले। वह बड़ी पारियां खेलने में माहिर हैं।

क्या होता है उत्तम प्रदेश ये योगी ने बताया, डॉन-माफिया को मिट्टी में मिलाया, 10,000 से अधिक मुठभेड़ों में 63 एनकाउंटर

लखनऊ। योगी उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का संकल्प लेकर उतरे। उत्तम प्रदेश यानी ऐसा प्रदेश जहां कानून व्यवस्था टाइट हो, महिलाओं और लड़कियों के साथ सड़कें सुरक्षित हों। उत्तर प्रदेश योगी सरकार पार्ट 1 में ऐसा कई नजारा देखने को मिला था जब अपराधी खौफ में थे और कई नामी बदमाशों ने एनकाउंटर के डर से थाने में जाकर खुद ही आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके अलावा बड़े माफियाओं पर बाबा का बुलडोजर भी खूब चला था। कट्टेबाजी और बमबाजी के लिए उत्तर प्रदेश एक अरसे से बदनाम रहा है। सरकार किसी की भी रही हो, तूती बंदूकबाजों की ही बोलती थी। लेकिन वक्त बदला और बदलते वक्त में यूपी में अपराधी कन्फ्यूज हो गए कि करें तो क्या करें। वहीं योगी सरकार ने अपराधियों को मिट्टी में मिलाने का जो संकल्प लिया उसे आकार भी दिया। गैंगस्टर

से नेता बने अतीक अहमद के बेटे असद अहमद को उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एनकाउंटर में मार गिराया है। वो उमेश पाल हत्याकांड में वांछित था। वो गुनहगार जिसपर पांच लाख का ईनाम था उसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। ये एक तरह से प्रण था यूपी सरकार का कि एक-एक करके या तो सभी गुनहगारों को पकड़ लिया जाएगा या फिर उनका एनकाउंटर कर दिया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में दी गई जानकारी के अनुसार पिछले छह वर्षों में राज्य में पुलिस और अपराधियों के बीच 10,000 से अधिक मुठभेड़ हुई हैं, जिसमें 63 अपराधी मारे गए हैं, जबकि एक बहादुर पुलिस वाला भी शहीद हुआ है। एनकाउंटर की संख्या के मामले में मेरठ 2017 के बाद से सबसे अधिक 3152 मुठभेड़ों के साथ राज्य में शीर्ष पर है, जिसमें 63 अपराधी मारे गए और 1708 अपराधी घायल हुए। इसी दौरान पुलिस मुठभेड़ों के दौरान एक जांबाज पुलिसकर्मी भी शहीद हो गया, जबकि 401 पुलिसकर्मी घायल हो गये। यूपी पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुल 5,967 अपराधियों को पकड़ा गया।

यूपी पुलिस ने 2017 के बाद से 10713 एनकाउंटर किए हैं, जिनमें से सबसे अधिक 3152 मेरठ पुलिस द्वारा आयोजित किए गए, इसके बाद आगरा पुलिस ने 1844 एनकाउंटर किए, जिसमें 4654 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 14 खूंखार अपराधी मारे गए और 55 पुलिस वाले घायल हुए। और बरेली में कुल 1497 एनकाउंटर किए गए जिनमें 3410 अपराधी गिरफ्तार किए गए जबकि 7 की मौत हो गई। बरेली में मुठभेड़ के दौरान 437 अपराधी घायल हुए थे। इन ऑपरेशनों में 296 बहादुर पुलिस कर्मी घायल हुए, जबकि 1 शहीद हो गया।

संक्षिप्त समाचार

दोषी ठहराए जाने से राहुल को हुई अपूरणीय क्षति, मोदी सरनेम मामले में याचिका पर सूरत कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। राहुल गांधी की कानूनी टीम ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस नेता को मोदी सरनेम वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने से 'अपूरणीय क्षति और अपरिवर्तनीय चोट' का सामना करना पड़ा है। सूरत की एक अदालत गांधी की इस मामले में दोषसिद्धि पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार में चुनाव प्रचार के दौरान सभी चोरों के नाम में मोदी क्यों होते हैं? कहने को लेकर राहुल गांधी को दोषी ठहराया गया है। न्यायाधीश रॉबिन मोगेरा राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई कर रहे हैं जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस चीमा कांग्रेस नेता का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अदालत में मामले को पेश करते हुए आरएस चीमा ने कहा कि राहुल गांधी को अपूरणीय क्षति और अपरिवर्तनीय चोट का सामना करना पड़ा है। गांधी के वकील ने कहा कि उन्होंने अपनी सजा के कारण अपना निर्वाचन क्षेत्र खो दिया और उन्हें लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। उन्होंने अदालत से गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाने की अपील करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय असाधारण परिस्थितियों में दोषसिद्धि पर रोक लगाने की अनुमति देते हैं।

झोपड़ी में आग लगने से एक ही परिवार के दो लोगों की मौत

महराजगंज। जिले के भिटौली थाना क्षेत्र के अमवा भैसी गांव में झोपड़ी में आग लगने से एक ही परिवार के दो लोगों की झुलसकर मौत हो गयी। ग्रामीणों के मुताबिक, बुधवार को झोपड़ी में मच्छरों से बचाव के लिए आग जलाई गई थी। लेकिन झोपड़ी आग की चपेट में आ गई। पुलिस ने कहा कि जैसे ही आग लगी, झोपड़ी की छत कौशिल्या (55) पर गिर गई, जो अंदर थी। उसे और जानवरों को बचाने के लिए उसका बेटा आशीष (34) भी अंदरगया और दोनों की मौत हो गई।। भटौली थाने के इंस्पेक्टर सुनील कुमार राय ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर फायरिंग के एक दिन बाद एक और सेना के जवान की मौत, गलती से खुद को मारी गोली

नई दिल्ली। बठिंडा सैन्य स्टेशन पर हमले के कुछ ही देर बाद एक और अप्रिय घटना सामने आयी है। पंजाब के बठिंडा में एक अप्रिय घटना में भारतीय सेना के एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान लघु राज शंकर के रूप में हुई है, वह ड्यूटी पर तैनात था जब उसने अपनी राइफल से खुद पर गोलियां चलाईं। गोली लगने से वह गिर गया और कुछ ही पल में जवान ने दम तोड़ दिया। फायरिंग की घटना गुरुवार तड़के हुई। एक प्रेस विज्ञप्ति में सेना ने कहा, 'सैनिक अपने सेवा हथियार के साथ संतरी ड्यूटी पर था।

हथियार और उससे निकली गोलियां जवान के शव के पास ही थी गिरी हुई थी। बंदूक की गोली का घाव सही अस्थायी क्षेत्र के पास था। जवान को तुरंत सैन्य अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन चोटों के कारण जवान ने दम तोड़ दिया।' इसमें कहा गया है, 'सैनिक 11 अप्रैल 2023 को छुट्टी से लौटा था। मामला कथित तौर पर आत्महत्या के प्रयास का लगता है।' बुधवार को बठिंडा सैन्य स्टेशन गोलीबारी की घटना के संबंध में पंजाब पुलिस द्वारा दो अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद दुर्घटना की सूचना मिली थी। सेना ने कहा कि यह घटना 'पहले की गोलीबारी' से संबंधित नहीं थी। सेना के बयान में कहा गया, 'बुधवार दोपहर बठिंडा सैन्य स्टेशन में एक अन्य सैनिक की मौत का पहले की गोलीबारी की घटना से कोई संबंध नहीं है।' बुधवार को बठिंडा सैन्य स्टेशन में गोलीबारी के समय दोनों कथित तौर पर सफेद कुर्ता पायजामा पहने हुए थे और उनके पास एक इंसास राइफल और एक तेज धार वाली कुल्हाड़ी थी। साथ ही, दो दिन पहले एक इंसास राइफल के साथ 28 राउंड गायब होने की सूचना मिली थी।

रोजगार मेले में पीएम मोदी ने बांटे 71000 नियुक्ति पत्र, कहा-'प्रतिभा को सही अवसर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रोजगार मेला 2023 को संबोधित किया और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और

संगठनों में नवनियुक्त भर्ती के लिए कुल 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। पीएम मोदी का यह कदम 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले 10 लाख नौकरियां देने की सरकार की घोषणा का एक हिस्सा है। नियुक्ति पत्र बांटने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि सरकार 'विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को सही अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।' पीएम मोदी ने कहा कि आज 70 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिला है। आपके परिवार को बधाई। विकसित भारत के संकल्प की दिशा में हमारी सरकार लगातार काम कर रही है और सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। आज भारत दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भर के कई देश ण्वब्ड के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन भारत मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हम सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। दुनिया आर्थिक मंदी देख रही है। लेकिन दुनिया भारत को एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देखती है। नए भारत के युवा नए जमाने की तकनीकों से जुड़ रहे हैं और ड्रोन निर्माण और ड्रोन पायलट बनने में तेजी से शामिल हो रहे हैं। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में पूंजी निवेश रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है और युवा शक्ति के लिए विविध अवसर पैदा करता है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2014 तक भारत में 74 हवाई अड्डे थे, अब 148 हवाई अड्डे हैं। हवाई अड्डों में वृद्धि के कारण रोजगार के नए अवसर भी खुले हैं। बंदरगाह क्षेत्र विकसित हो रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र भी रोजगार सृजन का बेहतरीन उदाहरण बन रहा है। हर बुनियादी ढांचा परियोजना रोजगार के अवसर पैदा कर रही है। कृषि क्षेत्र में कृषि यंत्रीकरण बढ़ा है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

टिकट नहीं मिलने से नाराज भाजपा विधायक कुमारस्वामी ने पार्टी छोड़ी

बेंगलुरू। आगामी विधानसभा चुनाव के लिए टिकट ना मिलने से नाराज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और मुडिगेरे से तीन बार के विधायक एम पी कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की। कुमारस्वामी ने भाजपा द्वारा टिकट काटे जाने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सी टी रवि को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि वह विधायक के तौर पर भी विधानसभा अध्यक्ष को जल्द ही अपना इस्तीफा सौंप देंगे। भाजपा ने बुधवार रात 23 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी थी। इसके मुताबिक भाजपा ने कुमारस्वामी के स्थान पर दीपक डोड्डैया को मुडिगेरे से अपना उम्मीदवार बनाया है। कुमारस्वामी ने टिकट नहीं मिलने पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि पर निशाना साधा और कहा कि वह अपने समर्थकों और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ चर्चा करने के बाद अपने अगले कदम पर फैसला करेंगे।

बदमाशों ने नकली सीबीआई अधिकारी बनकर दिया अपराध को अंजाम, पहले किया अपहरण फिर 70 लाख की मांगी फिरौती

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म स्पेशल 26 में एक ग्रुप नकली सीबीआई अधिकारी बनकर रेड करते है। इस फिल्म की तर्ज पर ही एक और मामला सामने आया है जिसमें आरोपियों ने नकली सीबीआई अधिकारी बनकर रेड तो नहीं की मगर अन्य अपराध को अंजाम दिया है।

जानकारी के मुताबिक मामला राजस्थान के नागौर जिले के खुनखुना थाना इलाके का है। यहां दुबई में काम करने वाला एक युवक अपने घर पर सो रहा था। इस बीच चार से पांच लोग सीबीआई अधिकारी बनकर उसके घर में घुसे। घर में घुसकर फर्जी सीबीआई अधिकारियों ने युवक का अपहरण कर लिया। इसके बाद उन्होंने युवक को रिहा करने के लिए 70 लाख रुपये की फिरौती मांगी। हालांकि पुलिस ने युवक को ढूंढने की कार्रवाई शुरू की और उसे मुक्त करा लिया। बता दें कि पीड़ित युवक दुबई में गाड़ियों का काम करता है।

पुलिस के अनुसार दुबई में कारोबार करने वाला पीड़ित युवक युसूफ है, जिसका शेरानी आबाद से अपहरण किया गया था। वो अपने राजस्थान स्थित गांव में आराम कर रहा था तभी कार में

सवार होकर कुछ लोग उसके घर में घुसे और खुद को सीबीआई अधिकारी बताया और युसूफ को अपने साथ ले गए। परिवार ने इस घटना के बाद आरोपियों की गाड़ी का पीछा किया मगर वो भागने में सफल रहे। इसके बाद पीड़ित के परिवार ने पुलिस में जाकर अपहरण का मामला दर्ज करवाया।

इसी बीच पीड़ित युवक युसूफ को लेकर जयपुर रवाना हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो युवक आराम से गाड़ी में बैठकर घर से जाते हुए दिखा जो पुलिस के लिए काफी हैरान करने वाला था क्योंकि मामला अपहरण का था मगर दिखने में अपहरण जैसा नहीं लग रहा था। इसके बाद इलाके की नाकाबंदी करवाई गई। इसी बीच अपहरणकर्ताओं ने पीड़ित युसूफ के परिजनों को फोन कर 70 लाख रुपये की फिरौती मांगी। इसके बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की और अपहरणकर्ताओं को ढूंढने में पुलिस को परेशानी भी हुई क्योंकि अपहरणकर्ताओं ने किसी से मोबाइल मांग कर फिरौती मांगी थी।

इसके बाद नागौर पुलिस ने जयपुर पुलिस की मदद से युसूफ को जयपुर से बरामद किया। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से पुलिस को फर्जी सीबीआई कार्ड मिले हैं। पुलिस आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है।

सुशील मोदी का सीएम नीतीश पर तंज, बोले-वह एक ऐसी नाव पर सवार हो रहे हैं जिसमें छेद ही छेद है

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां नीतीश कुमार विपक्षी एकता को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर भाजपा उनपर जबरदस्त तरीके से उनपर हमलावर है। कभी नीतीश कुमार के बहद करीबी रहे सुशील कुमार मोदी ने उनपर निशाना साधा है। सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार एक ऐसी नाव पर सवार हो रहे हैं जिसमें छेद ही छेद है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक डूबता जहाज है। राजस्थान में सचिन पायलट अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो नीतीश कुमार बिहार नहीं संभाल पा रहे, उपचुनाव नहीं जीत पा रहे, वे देश का नेतृत्व करेंगे, विपक्षी दलों को एक करेंगे, कौन उन्हें स्वीकार करेगा?

इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सभी के मन में प्रधानमंत्री बनने की इच्छा है। नीतीश कुमार उसमें

प्रबल हैं। इसलिए ये जा रहे हैं मिलने के लिए, राहुल गांधी से बड़ी मुश्किल से अपॉइंटमेंट मिला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ये जान लें कि 2024 का पद खाली नहीं है और इनकी राजनीतिक दुर्गति होना अभी बाकी है। माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार विपक्षी एकता के सूत्रधार साबित होंगे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी एकता को लेकर जबरदस्त तरीके से तंज कसा था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर जब कुछ दल फंसते हैं तो इकठ्ठा होने की कोशिश करते हैं।

अपने बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे कुछ दल जब एकत्रित होते हैं तो महाठगबंधन बनता है। उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 में भी यही ठगबंधन बना था लेकिन कुछ नहीं हो पाया क्योंकि जनता जानती है कि विपक्षी दल भ्रष्टाचार में डूबे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इनका मुकाबला नरेंद्र मोदी से है, जिनकी 22 साल की ण्श से इश तक की राजनीति ईमानदार और साफ रही है।

सिसोदिया की षड्यंत्र रचने में अहम भूमिका रही, ईडी ने कोर्ट को बताया-ईमेल प्लांट किये गए

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली की एक अदालत को बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आबकारी नीति को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सार्वजनिक स्वीकृति दिखाने के लिए नकली ईमेल का इस्तेमाल किया। दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी की ओर से पेश विशेष सरकारी वकील (एसपीपी) जोहेब हुसैन ने विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल की अदालत के समक्ष यह दलील दी। एसपीपी ने कहा कि नीति को लागू करने में सिसोदिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह एक साधारण नीतिगत निर्णय नहीं है। कार्टेलाइजेशन किया गया था। कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 अप्रैल को निर्धारित की है।

कौन था असद अहमद, जिसने पिता के गिरोह की बागडोर संभाली

उमेश पाल की हत्या की योजना बनाई? अतीक के 5 बेटों के बारे में जानें सब कुछ

लखनऊ। गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद के बेटे असद अहमद को उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एनकाउंटर में मार गिराया है। वो उमेश पाल हत्याकांड में वांछित था। डिप्टी एसपी नवेंदु और डिप्टी एसपी विमल के नेतृत्व वाली यूपीएसटीएफ की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में मकसूदन के पुत्र गुलाम नाम के एक अन्य व्यक्ति की भी मौत हो गई। मुठभेड़ झांसी में हुई। दोनों पर पांच लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने इनके पास से विदेशी हथियार बरामद किए हैं।

कौन था असद अहमदः करीब एक महीने तक असद अहमद के खिलाफ कोई केस नहीं हुआ। हालांकि, 24 फरवरी को प्रयागराज में उमेश पाल की गोली मारकर हत्या करने वाले शूटरों के एक गिरोह का कथित रूप से नेतृत्व करने के बाद वह यूपी का मोस्ट वांटेड व्यक्ति बन गया। असद पर उसके परिवार के किसी भी अन्य सदस्य की तुलना में सबसे अधिक (2.5 लाख रुपये का) इनाम था। उसके पिता अतीक अहमद

गुजरात की साबरमती जेल में बंद है, जबकि उनके चाचा अशरफ यूपी की बरेली जेल में बंद हैं। उनकी अनुपस्थिति में अतीक के दो बड़े बेटे, उमर और अली, पिछले कुछ वर्षों में खूंखार गिरोह चलाते थे, जब असद पढ़ाई कर रहा था।

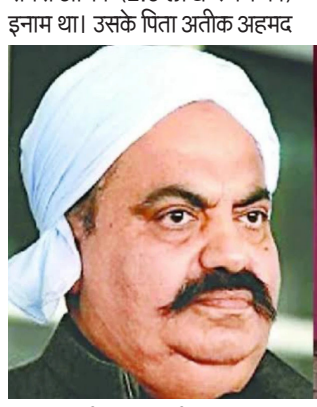

अपहरण के बाद सुर्खियों में आया था अतीक का बड़ा बेटाः अतीक का सबसे बड़ा बेटा उमर 2018 में तब सुर्खियों में आया जब उसने लखनऊ में एक प्रॉपर्टी डीलर मोहित जायसवाल का अपहरण कर लिया और उसे देवरिया जेल ले गया जहां अतीक अहमद बंद था और रंगदारी न देने पर जायसवाल पर हमला किया गया था। अतीक के नंबर दो बेटे अली पर भी हत्या के प्रयास और रंगदारी के मामले दर्ज हैं। जांच एजेंसियों द्वारा दोनों पर इनाम घोषित किए जाने के बाद, दोनों भाइयों ने पिछले साल जुलाई में जल्दी-जल्दी अदालतों में आत्मसमर्पण कर दिया था, उन्हें डर था कि मुठभेड़ों में उनका सफाया हो सकता है। पुलिस को शक था कि इसके बाद असद ने गिरोह की बागडोर संभाली। अतीक के दो और बेटे आजम और अबान हैं, जो नाबालिग हैं और क्रमशः 10वीं और 8वीं कक्षा में पढ़ते हैं।

दो बेटे किशोर केंद्र में बंदः आजम और अबान वर्तमान में एक किशोर केंद्र में बंद हैं, पुलिस ने कहा कि उन्होंने उन्हें उमेश पाल की हत्या के बाद लक्ष्यहीन घूमते पाया, जबकि उनकी मां शाइस्ता प्रवीण ने अदालत में एक आवेदन दायर किया कि पुलिस उन्हें उनके घर से दूर ले गई थी। प्रवीण भी उमेश पाल मामले में आरोपी है और लापता बताया जा रहा है। कुछ लोगों को शक है कि उमेश पाल की हत्या करने के बाद असद नेपाल भाग गया होगा।

मोदी के बुलाने पर कश्मीर आ रहे 20 देश, छाती पीट रहा पाक, चीन भी भारत के बढ़ते कद से है परेशान

लाहौर। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में जी-20 बैठक की मेजबानी के भारत के फैसले पर नाराजगी जताई है। हालांकि जी20 का सदस्य नहीं है, फिर भी पाकिस्तान अगले महीने श्रीनगर में जी20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित करने के भारत के फैसले से नाखुश है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि लेह और श्रीनगर में युवा मामलों (वाई-20) पर जी20 सलाहकार मंच की दो अन्य बैठकों का कार्यक्रम समान रूप से निराशाजनक है। भारत के किसी कदम से पाकिस्तान जैसे आतंकवाद के पनाहगाह मुल्क का बिफरना हैरानी भरा तो कतई नहीं है। वैसे देखें तो पाकिस्तान इस बात से बौखलाया हुआ है कि दुनिया के ताकतवर मुल्क के नुमाइंदे मोदी के एक बुलावे पर कश्मीर में आकर बैठक करेंगे। उसी कश्मीर में जिसका रोना वो विश्व के हर मंच पर रो चुका है और हर जगह से उसे फटकार और दुत्कार के अलावा कुछ भी हासिल न हुआ है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान 22-24 मई 2023 को श्रीनगर में जी-20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित करने के भारत के फैसले पर अपना कड़ा रोष व्यक्त करता है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत ने इस साल जी20 की अध्यक्षता संभाली है और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद श्रीनगर में होने वाला यह पहला अंतरराष्ट्रीय

आयोजन होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों की सरासर अवहेलना और संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के उल्लंघन में जम्मू और कश्मीर के अपने अवैध कब्जे को बनाए रखने के लिए भारत का गैर-जिम्मेदार कदम है। पाकिस्तान की तरफ से जारी बयान में जम्मू कश्मीर को विवादित इलाका बताकर वो अपने ही जख्म कुरेद रहा है। पूरी दुनिया जान गई है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। जिसमें से कुछ हिस्से पर पाकिस्तान अवैध रूप से मौजूद है। पीओके ऐसी जगह है जैसे किसी जमीन पर बाहर से आए कुछ लोग झोपड़ी बनाकर दावा करने लगे कि ये उनकी जमीन है। भारत का बढ़ता कद पाकिस्तान और चीन जैसे देशों के लिए इन दिनों चिंता का सबब बना हुआ है। पाकिस्तान क्या चीन चीन के लिए भारत के मजबूती से बढ़ाते कदमों के बाद उस पर दबाव बना पाना कठिन होगा। यही कारण है कि जी20 बैठक को लेकर चीन के लेकर पाकिस्तान तक में खलबली मची है।

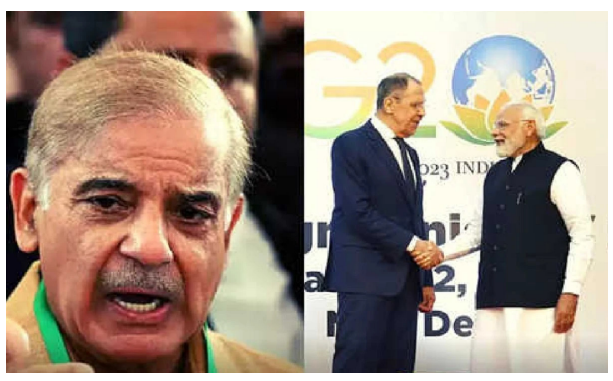

कांग्रेस-एनसीपी के विधायक हमारे संपर्क में हैं, देवेंद्र फडणवीस बोले- सही समय पर पार्टी में होंगे शामिल

नई दिल्ली। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि एनसीपी और कांग्रेस के कुछ विधायक फिलहाल बीजेपी के संपर्क में हैं। इसी तरह राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक सांकेतिक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ कांग्रेस-राष्ट्रवादी विधायक हमारे संपर्क में हैं और वे सही समय पर पार्टी में शामिल होंगे। एक न्यूज चैनल को दिए एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इस संबंध में प्रतिक्रिया दी।

विधायक हमेशा संपर्क में रहते हैं। पिछले पांच साल में देखें तो सत्ता पक्ष के रूप में काम करते हुए हमने कई लोगों से संबंध स्थापित किए हैं। इस संबंध और विश्वास के कारण बहुत से लोग साथ आते हैं। इसलिए हमारे संपर्क में कई लोग हैं, यह कहना संभव नहीं है कि उनमें से कितने भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने आगे बोलते

हुए संपर्क में रहे विधायकों के भाजपा में शामिल होने के समय का भी जिक्र किया। विधायकों के साथ संबंधों को बदलने का समय आ गया है। यह समय चुनाव से पहले आएगा। इस वक्त बोल रहे हैं क्या बीजेपी को और विधायक चाहिए? जब पूछा गया, 'जरूरत कभी खत्म नहीं होती। वास्तव में हम सक्षम हैं, लेकिन अंततः हम कोशिश करते रहेंगे। इस दौरान उन्होंने इस मौके पर बोलते हुए राजनीतिक नेताओं द्वारा दिए गए बेतुके बयानों पर भी टिप्पणी की। 'यह सब रोकने के लिए एक अच्छा उपाय है। लेकिन मीडिया को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हर सुबह मीडिया के साथ संजय राउत के पास जाना बंद करें। इसलिए यह समस्या उत्पन्न होती है। अगर आप उनके पास जाना बंद कर देंगे तो आप देखेंगे कि राज्य की राजनीति साफ हो गई है।

एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने फिर मचाया 'एक दो तीन' पर धमाल

मुम्बई। एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने एक दौर में बॉलिवुड पर राज किया है। उन्होंने एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी थीं और वह उस समय टॉप ऐक्ट्रेस में शुमार होती थीं। हालांकि वक्त के साथ अभी भी माधुरी दीक्षित की पॉप्युलैरिटी बिल्कुल कम नहीं हुई है और उनकी अभी भी अच्छी खासी फैन-फॉलोइंग है। माधुरी के शुरुआती सुपरहिट गानों की बात करें तो फिल्म 'तेजाब' का गाना 'एक दो तीन' जरूर गिना जाएगा। अब माधुरी ने इस गाने को एक बार फिर मजेदार तरीके से रीक्रिएट किया है। माधुरी दीक्षित आजकल टीवी रिऐलिटी शो 'डांस दीवाने' में जज की भूमिका में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसी शो का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है जिसमें वह 'डांस दीवाने' के सेट पर डांसर शक्ति मोहन के साथ अपने सुपरहिट गाने 'एक दो तीन' को रीक्रिएट नजर आ रही हैं। वीडियो में माधुरी और शक्ति के पीछे पुनीत पाठक और तुषार कालिया भी नजर आ रहे हैं। माधुरी दीक्षित का यह वीडियो फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो पोस्ट के नीचे कोरियॉग्रफर फराह खान और मुक्ति मोहन ने हार्ट इमोजी बनाकर कॉमेंट भी किया है। वैस बता दें कि हाल में माधुरी दीक्षित मालदीव में छुट्टियां बिताकर आई हैं। मालदीव से भी माधुरी ने अपनी काफी दिलकश तस्वीरें शेयर की थीं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो माधुरी पिछली बार फिल्म 'कलंक' में नजर आई थीं जिसमें उनके साथ आलिया भट्ट, संजय दत्त, आदित्य रॉय कपूर, वरुण धवन और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदारों में नजर आए थे। अब माधुरी जल्द ही 'फाइंडिंग अनामिका' से डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं।

लाल-नीले-हरे रंग में रंगें अल्लू अर्जुन, हाथ में उठाई बंदूक, पुष्पा 2 का नया पोस्टर देख चौंक गये फैंस

नई दिल्ली। पुष्पाः द राइज़ 2021 में रिलीज़ हुई, तो किसी को उम्मीद नहीं थी कि यह भारतीय दर्शकों के बीच इतना लोकप्रिय हो जाएगी। लेकिन ऐसा हुआ और अल्लू अर्जुन-स्टारर ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 400 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म के जोशीले डायलॉग- 'पुष्पा नाम सुनकर फूल समझी क्या? फ्लावर नहीं, फायर है में' और 'थगगे ले' प्रतिष्ठित बन गए हैं। पुष्पा में अल्लू अर्जुन को बन्नी के नाम से जाना गया। पुष्पा से वह अलग उंचाईयो पर पहुंच गये।

अब पुष्पाः द रूल, मिथ्री मूवी मेकर्स के निर्माताओं ने उनके जन्मदिन (8 अप्रैल) के लिए एक नया पोस्टर जारी किया और फिल्म में बन्नी के लुक को देखकर सोशल मीडिया पर प्रशंसक पागल हो गए। पारंपरिक भारतीय आभूषण, एक रेशमी साड़ी और एक नींबू की माला पहने हुए, अल्लू अर्जुन ने पुष्पा राज को एक नए स्तर पर ले लिया है। इस पोस्टर ने जिस तरह का उन्माद पैदा किया

है, उससे यह स्पष्ट है कि पुष्पा 2 पूरे भारत में बॉक्स ऑफिस के और रिकॉर्ड तोड़ने जा रही है।

नए लुक को शेयर करते हुए अल्लू ने लिखा, 'पुष्पा राज शुरू हो गया है!' जिसे देख फैन्स ने कमेंट किया, 'आप भारतीय सिनेमा को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं।' बीते दिन 'पुष्पाः द रूल' का ट्रेलर रिलीज हुआ। वहीं देखा गया कि किस तरह पुष्पा राज तिरुपति जेल से फरार हो गईं। दर्शकों ने पहले सोचा होगा कि पुलिस ने पुष्पा को मार डाला। लेकिन बाद में पता चला कि वह जंगल में छिपा हुआ है।

'पुष्पाः द राइज' 2021 में रिलीज हुई थी। अल्लू अर्जुन अभिनीत इस फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींचा। इस फिल्म के जरिए ही अल्लू अखिल भारतीय स्तर पर एक जाना माना चेहरा बन गए थे। इस फिल्म ने देश के बॉक्स ऑफिस पर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। तभी से दर्शक और फैंस फिल्म के दूसरे पार्ट 'पुष्पाः द रूल' का इंतजार कर रहे हैं। कब रिलीज होगी 'पुष्पा 2' फैन्स के चेहरे पर बस एक ही सवाल है। हालांकि, मेकर्स ने उस जानकारी का खुलासा नहीं किया।

समर सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया, आकांक्षा के फैंस ने दौड़ाया

मुम्बई। भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे आत्महत्या मामले में गायक समर सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। समर सिंह को पिछले दिनों गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद आज उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल समर सिंह को कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसके बाद समर सिंह को मेडिकल के लिए दीनदयाल अस्पताल भी ले जाया गया। हालांकि, कोर्ट के बाहर भी समर सिंह के लिए मुश्किलें उस वक्त खड़ी हो गई जब लोगों ने उन्हें कोर्ट से बाहर दौड़ा दिया। लोगों ने समर सिंह को मारने के लिए दौड़ा दिया। हालांकि पुलिस पूरी तरीके से सुरक्षा में मुस्तैद थी। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा ने 26 मार्च को वाराणसी के एक होटल के कमरे में अपना जीवन समाप्त कर लिया।

हालांकि, उसकी मौत के बाद कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। समर सिंह और संजय सिंह इस मामले के मुख्य आरोपी थे। समर को आखिरकार गाजियाबाद में

गिरफ्तार कर लिया गया था। अभिनेत्री के मृत पाए जाने के बाद समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ 'लुकआउट' नोटिस जारी किया गया था। अभिनेत्री की मां की शिकायत पर दोनों व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाने/मजबूर करने) के तहत मामला दर्ज किया गया था। समर गाजियाबाद में नंदग्राम थाना क्षेत्र के राज नगर एक्सटेंशन इलाके में एक हाउसिंग सोसाइटी में छिपा हुआ था। वाराणसी पुलिस की टीम समर को अपने साथ वाराणसी ले गयी।

प्राथमिकी के अनुसार, आकांक्षा की मां ने आरोप लगाया था, 'मेरी बेटी ने उनके उत्पीड़न के कारण अपनी जान गंवा दी।' आकांक्षा दुबे/उनकी मां के वकील एस शेखर त्रिपाठी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल उठाया है और कहा कि वह चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह ले रहे हैं, जिसके बाद वह पुलिस के लिए प्रश्ना तैयार करेंगे। त्रिपाठी ने बुधवार को इस मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या सीबी-सीआईडी द्वारा जांच कराने की मांग की थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में उन्होंने दावा किया है कि अभिनेत्री ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि होटल के कमरे में किसी ने उनकी हत्या कर दी।

अली फजल का फिल्म 'मिलन टॉकीज' से है रियल लाइफ कनेक्शन

मुम्बई। यह एक सुखद संयोग है कि अभिनेता अली फजल ने अपनी पहली फुल रोमांटिक फिल्म 'मिलन टॉकीज' ठीक ऐसे समय में की है जब अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के साथ प्रेम प्रसंग को लेकर वह सुर्खियों में बने रहते हैं। सफल डिजिटल सीरीज 'मिर्जापुर' के दूसरे सीजन की तैयारी कर रहे अली ने स्वीकार किया कि वास्तविक जिंदगी में प्यार में होने से ऑनस्क्रीन का प्यार ज्यादा दिलचस्प बन जाता है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि प्यार को जिस नजरिए से आप देखते है तो वह उसे प्रभावित करता है। यह कैसे नहीं करेगा? लेकिन 'मिलन टॉकीज' में प्यार को दर्शाने के लिए मैंने अपनी भावनाओं से कहीं ज्यादा भरोसा निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के मार्गदर्शन पर किया। उन्होंने कभी भी पूरी तरह से प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म नहीं बनाई थी और मैंने भी नहीं की थी।' अली ने पर्दे पर प्रेम कहानियों की कमी पर अफसोस जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'हमें 'मिलन टॉकीज' जैसी विशुद्ध प्रेम कहानियां वास्तव में देखने को नहीं मिलतीं।

पहली ही नजर में जूही चावला को दिल दे बैठे थे इमरान खान, फिर अंगूठी पहनाकर की थी सगाई

मुम्बई। पहली ही नजर में जूही चावला को दिल दे बैठे थे इमरान खान, फिर अंगूठी पहनाकर की थी सगाईइमरान खान के मुताबिक जूही चावला ने चार दिन बाद उन्होंने वो अंगूठी वापस कर दी थी।

जब भी बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेसस की बात होगी उनमें एक नाम जूही चावला का भी होगा। अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस जूही को बी-टाउन में उनकी मनमोहक मुस्कान और चुलबुले अंदाज के लिए जाना जाता है। जूही ने भले ही अपने करियर की शुरुआत सन् 1986 में फ्लॉप फिल्म 'सल्तनत' से की हो। लेकिन जल्द ही 'कयामत से कयामत तक' ने उन्हें पहचान और शाहरुख की 'डर' से उन्हें स्टारडम मिल गया। वही अगर उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने आमिर खान के भतीजे इमरान खान से पहली सगाई की थी, आपको भी यकीन नहीं हुआ? जी हां, इमरान खान और जूही चावला की सगाई तक हो चुकी है। ये हम नहीं कह रहे

बल्कि इस बात का खुलासा इमरान खान ने खुद किया।

दरअसल ये बात उस वक्त की है जब इमरान, चाचा आमिर खान और जूही चावला की फिल्मों की शूट पर आमिर के साथ जाते थे। ऐसी एक शूट पर जब इमरान ने जूही को देखा तो पहली बार में ही लव एट फर्स्ट साइट हो गया। यहां तक की उन्होंने जूही से अपने दिल की बात बोल दी और लगे हाथ सगाई भी कर ली। जी हां, इमरान ने जरा भी देर न करते हुए जूही को सेट पर ही सगाई के तौर पर अंगूठी दी थी। और जूही चावला ने ये एक्सेप्ट भी कर ली, तो हो गई ना जूही चावला और इमरान खान की सगाई। भले ही उस समय उनकी उम्र चार साल रही हो। जी, ये सब इमरान ने चार साल की उम्र में किया था।

एक इंटरव्यू में इमरान खान से जब उनकी फर्स्ट वाइफ के बारे में पूछा गया तो उन्होंने ये पूरी बात बताई थी। उन्होंने कहा, फर्स्ट वाइफष्ठ हां मेरी फर्स्ट वाइफ जूही चावला थीं। जब मैं चार साल का था तो मैंने उन्हें प्रपोज किया और सगाई के तौर पर एक अंगूठी भी दी थी। उन्होंने एक्सेप्ट कर लिया था। लेकिन चार दिन बाद उन्होंने वो अंगूठी वापस भी कर दी थी। उसके बाद रिलेशन वर्कआउट नहीं हो पाया और वो अपने करियर में आगे बढ़ गईं। कहा जाता है कि इमरान खान अपनी पहली फिल्म 'जाने तू या जाने ना' में चाहते थे कि इस फिल्म में उनकी मां का रोल जूही चावला ही करें। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया था।

किसके इंतजार में बेचैन है अनिल कपूर! पहली बार करने जा रहे यह काम

नई दिल्ली। अनिल कपूर ने अपने 30 साल से भी ज्यादा लंबे करियर में कई तरह से रोल प्ले किए है। लेकिन एक रोल ऐसा है जिसे लेकर अब अनिल कपूर से सब्र नहीं हो रहा है। वह 63 साल की उम्र में पहली बार यह काम करने के लिए बेकरार है। आप भी सोच में पड़ गए न कि ऐसा क्या है जो अनिल कपूर ने नहीं किया। तो आपको बता दें कि अनिल कपूर ने अपने तीन दशक से अधिक लंबे फिल्मी करियर में पहली बार एक पीरियड ड्रामा 'तख्त' में ऐतिहासिक किरदार निभाने जा रहे है और वह इसके लिए बेहद उत्सुक भी है।मीडिया की खबरों के अनुसार, करण जौहर के निर्देशन में बन रही 'तख्त' में अनिल कपूर शाहजहां की भूमिका निभाएंगे। अनिल ने पीटीआई को बताया "पहली बार मैं ऐतिहासिक किरदार में नजर आउंगा। एक कलाकार के लिए यह कई भावनाओं का समागम होगा। मैं इसके लिए उत्सुक हूं। जब तक यह कर न लूं, तब तक मैं नहीं बता सकता कि मैं क्या महसूस कर रहा हूं।

आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म गुमराह का नहीं चला जादू, बेहद मामूली कमाई की

नई दिल्ली। द नाइट मैनेजर की शानदार सफलता के बाद आदित्य रॉय कपूर अपनी पसंदीदा शैली, थ्रिलर में लौट आए। अभिनेता ने गुमराह में मृणाल ठाकुर के साथ स्क्रीन

स्पेस साझा किया। फिल्म को बॉलीवुड रिलीज के साथ किसी भी बड़े टकराव का सामना नहीं करना पड़ा। हालांकि, यह पैसा लाने में विफल रही है। फिल्म की ओपनिंग कुछ खास नहीं रही हैं।

आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की गुमराह को दर्शकों और समीक्षकों से मिश्रित समीक्षा मिली। हालांकि अगर हम बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों की बात करें तो यह हमें निराशा ही कहेंगे। गुमराह का पहला दिन कुछ खास नहीं रहा। ऐंम्हगत्व की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अपने शुरुआती दिन में 1.50 करोड़ रुपये की मामूली कमाई की।

आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की आने वाली फिल्म गुमराह का ट्रेलर 23 मार्च को जारी किया गया था। ट्रेलर में बेमिसाल ड्रामा, बहुत सारे ट्विस्ट और एक रहस्य का वादा किया गया था, जो 7 अप्रैल को सामने आया। फिल्म में आदित्य दोहरी भूमिका में हैं, साथ में मृणाल ठाकुर जिन्होंने पहली बार एक महिला पुलिस की भूमिका निभाई थी।

गुमराह का निर्देशन नवोदित निर्देशक वर्धन केतकर ने किया है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियोज ने किया है। यह 7 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। गुमराह तमिल फिल्म थडम की रीमेक है।

जूनियर एनटीआर ने ठुकराया दिया वार 2 का ऑफर!

मुम्बई। पुष्पाः द रूल, मिथ्री मूवी मेकर्स के निर्माताओं ने उनके जन्मदिन (8 अप्रैल) के लिए एक नया पोस्टर जारी किया और फिल्म में बन्नी के लुक को देखकर सोशल मीडिया पर प्रशंसक पागल हो गए। शाहिद कपूर और कृति सेनॉन किसी फिल्म में पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करने जा रहे हैं। दोनों की पहली फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर लुक रिलीज हुआ है। ऋतिक रोशन की सुपरहिट फिल्म 'वॉर' को लेकर खबर थी कि जल्द ही इसका सीक्वल दर्शकों को देखने को मिलेगा और इस मूवी में जूनियर एनटीआर की भी एंट्री होगी। लेकिन ये बात झूठी निकली।

जब काजोल बोलीं-मेरी आंखे तो काली भी नहीं हैं

मुम्बई। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और एक्ट्रेस काजोल की जोड़ी ने साथ में कई सारे हिट फिल्में दी है। जिनमें से एक है बाज़ीगर। बाजीगर साल 1993 की हिट फिल्मों से एक थी। इसके सभी गाने हिट हुए थे खासकर फिल्म का गाना 'ये काली - काली आंखे' तो आज भी लोगों के दिलों पर राज करती है। अब इस फिल्म का एक बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है

जिसपर फैन्स खूब रिएक्श दे रहे हैं। इस वीडियो में शाहरुख और काजोल ने गाने की कुछ खास पलों को फैन्स का साथ शेयर किया है।

आपको बता दें कि इस गाने को बॉलीवुड की जानी- मानी कॉरिग्राफर सरोज खान ने कोरियोग्राफ किया गया था। वीडियो में सरोज, शाहरुख और काजोल को गाने की बीट पर एक्सप्रेशन के साथ डांस स्टेप्स सिखाती नजर आ रही हैं। वायरल हो रहे बीटीएस वीडियो में काजोल बेहद फनी अंदाज में कहती है कि गाने के हिसाब से मेरी आंखे काली नहीं है। वहीं सरोज खान की तारीफ करते हुए कहती हैं, उन्होंने जिस शानदार तरीके से इस गाने पर स्टेप्स डाला है। सबका मूड बना दिया है। वह अपने डांस से किसी का भी मूड बना सकती है और खासकर उन्होंने मेरे ऊपर काफी मेहनत की है। गौरतलब है, शाहरुख खान और काजोल की फिल्म 'बाजीगर 12 नवंबर, 1993 को रिलीज हुई थी. इस थ्रिलर फिल्म को अब्बास-मस्तान की जोड़ी ने डायरेक्ट किया था. फिल्म की पूरी कहानी दो बहनें और एक लड़के के इर्द-गिर्द घूमती है। शाहरुख खान और काजोल के साथ फिल्म में शिल्पा शेट्टी अहम किरदार में नजर आई थीं. फिल्म में शिल्पा का रोल काफी छोटा था लेकिन लोगों ने इस किरदार को काफी पसंद किया था। फिल्म का म्यूजिक अनु मलिक ने दिया था, और यह काफी पॉपुलर भी हुआ था। फिल्म में शाहरुख खान अलग ही अंदाज में नजर आए थे।

राशिफल

मेष-ःतली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-ःजीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-ःक्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-ःआज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-ःआपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-ःप्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-ः जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-ःछात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-ःइससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-ःलंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-ःभावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-ःआज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

'रामायण' में कैकेयी का रोल निभा पॉपुलर हुई ये हीरोइन

मुम्बई। 70 के दशक में इस हीरोइन का खूब बोलबाला था। हिंदी ही नहीं भोजपुरी फिल्मों में भी ये हीरोइन खूब पॉपुलर थी। क्या आप जानते हैं कि ये हीरोइन कौन है और आजकल कहां है? ये हीरोइन हैं पद्मा खन्ना, जिन्हें आपने अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म 'सौदागर' में देखा होगा, जिसमें एक सीन में अमिताभ उनकी खूब पिटाई भी करते हैं। इसके अलावा रामानंद सागर की 'रामायण' में भी आपने पद्मा को देखा होगा। उसमें पद्मा ने कैकयी का रोल निभाया था। इस किरदार को पद्मा खन्ना ने किस डेडीकेशन के साथ निभाया इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोग उन्हें असल जिंदगी में भी कैकयी के नाम से जानने लगे। पद्मा खन्ना ने वैसे तो अपना एक्टिंग डेब्यू मात्र 12 साल की उम्र में ही कर लिया था लेकिन उन्हें करियर का सबसे बड़ा ब्रेक मिला 1970 में उस साल उन्हें फिल्म 'जॉनी मेरा नाम' में एक डांस नंबर करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग भाषाओं की करीब 400 फिल्मों में काम किया, लेकिन ज्यादातर फिल्मों में उन्हें डांसर के ही रोल मिले..फिर चाहे फिल्म 'लोफर' ' जान-ए-बहार' हो या फिर

'पाकिजा'? हालांकि कई फिल्में ऐसी भी रहीं जिनमें पद्मा खन्ना को अपना एक्टिंग टैलेंट दिखाने का मौका मिला। 'आज की राधा' और 'टेक्सी चोर' जैसी कुछ ऐसी फिल्में रहीं जिनमें पद्मा ने अपनी एक्टिंग से इंप्रेस किया। 90 के दशक में पद्मा खन्ना ने फिल्म निर्देशक जगदीश एल सिडाना से शादी कर ली। सिडाना से पद्मा खन्ना की मुलाकात फिल्म 'सौदागर' के सेट पर हुई थी। उस फिल्म में सिडाना असिस्टेंट डाएरेक्टर थे। कुछ सालों बाद पद्मा खन्ना और सिडाना ने शादी कर ली। सिडाना ने कई फिल्में डाएरेक्ट कीं, कई फिल्में प्रोड्यूस कीं और उनमें पद्मा खन्ना ने एक्टिंग की। शादी के बाद पद्मा खन्ना ने फिल्मों को अलविदा कह दिया। फिल्मों से विदा लेने के बाद फिल्म इंडस्ट्री तो पद्मा खन्ना को भूल गई और शायद लोग भी, लेकिन वो कहीं और ही अपनी नई दुनिया बसाने में लगीं थीं। क्या आप जानते हैं कि आजकल वो कहां हैं? शादी करने के बाद पद्मा खन्ना वो यूएस चली गईं। वहां उन्होंने इंडियानिका डांस अकेडमी खोली जिसमें वो बच्चों से लेकर बड़ों को क्लासिकल डांस सिखाती हैं। पद्मा ने ये डांस अकेडमी अपने पति के साथ मिलकर खोली, लेकिन कुछ साल पहले पद्मा खन्ना के पति की मौत हो गई और डांस अकेडमी और घर की सारी जिम्मेदारी पद्मा खन्ना के ऊपर आ गई। पद्मा खन्ना यानि पद्मा सिडाना के दो बच्चे हैं एक बेटा और एक बेटी और वो उन्हीं के साथ मिलकर अपनी इस डांस अकेडमी को चला रही हैं।

सिंगर ए आर रहमान बने फिल्म निर्माता, मणिरत्नम को दिया क्रेडिट

मुंबई। संगीतकार ए आर रहमान फिल्म "99 सॉन्ग्स" से निर्माण और सह लेखन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। संगीतकार ने शनिवार को कहा कि फिल्मकार मणिरतन्म ने ही उन्हें पटकथा लेखक के तौर पर अपने कलात्मक पक्ष को उभारने के लिए प्रेरित किया। ऑस्कर विजेता रहमान 'रोजा', 'बॉम्बे', 'दिल से', 'ओ कधल कनमनि', 'गुरु' और 'तिरुदा तिरुदा' जैसी मणिरतन्म की कई फिल्मों में संगीत दे चुके है। इस संगीतमय फिल्म की कहानी कला और स्वयं की खोज कर रहे एक संघर्षरत गायक पर आधारित है, जो एक सफल संगीतकार बनना चाहता है। नवोदित निर्देशक विश्वेश कृष्णमूर्ति द्वारा निर्देशित "99 सॉन्ग्स" में नवोदित कलाकार इहान भट, एडिलसी वर्गीज और तिब्बत मूल के भारतीय अभिनेता तेनजिन डाल्हा शामिल है। रहमान ने फिल्म की पटकथा का सह-लेखन किया है। उन्होंने उस वक्त को याद किया जब मणिरतन्म ने उनसे कहा था कि फिल्म में पटकथा लिखना और गीत लिखना लगभग एक ही प्रक्रिया है। फिल्म में लीजा रे, मनीषा कोइराला, आदित्य सील जैसे कलाकारों के अलावा संगीतकार-ड्रमर रंजीत बरोट और राहुल राम सहायक भूमिकाओं में होंगे।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।